हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शनिवार | 01 मार्च 2025 | वर्ष : 03 | अंक :58 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ढाई मिनट का दौरा, 18 सेकेंड का भाषण; जीतन मांझी के दलित समागम में नीतीश की जय-जयकार

पटननाके गांधी मैदान में हम का दलित समागम का आयोजन हुआ।जिसमें सीएम नीतीश कुमार भी पहुंचे, लेकिन सिर्फ ढाई मिनट रुके, इस दौरान उन्होने 18 सेकेंड का भाषण दिया, और मंच पर जीतनराम मांझी और संतोष सुमन को बधाई दी।

एजेंसी

पटना:हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा का दलित समागम पटना के गांधी मैदान में चल रहा है।जिसमें एनडीए के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कार्यक्रम में पहुंचे, लेकिन सिर्फ ढाई मिनट रुके, इस दौरान उन्होने 18 सेकेंड का भाषण दिया, और मंच पर केंद्रीय मंत्री सह हम के संरक्षक जीतनराम मांझी और हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री संतोष सुमन को बधाई दी।ढाई मिनट के तूफानी दौरे में 18 सेकेंड के भाषण में नीतीश कुमार ने हम के कार्यकताओं और नेताओं को बधाई दी।इस दौरान नीतीश कुमार की जय-जयकार के नारे लगे।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश के इतनी कम देर रुकने की वजह बताते हुए जीतनराम मांझी ने कहा कि क्योंकि ये एनडीए की कोई बैठक नहीं है।इसलिए मुख्यमंत्री आए, और बधाई देकर चले गए। हालांकि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी कार्यक्रम में बने रहे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दलित समाज

के बच्चों की छात्रवृत्ति दोगुनी की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बजट में इसका प्रावधान किया जा रहा है। आपको बता दें हम के दलित समागम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा समेत एनडीए के प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था।दलित समागम में पूरे राज्य के अनुसूचित जातियों के लोग शामिल हुए। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गांधी मैदान पहुंचकर खुद तैयारियों का जायजा लिया था। उन्होंने रैली को सफल बनाने के लिए वहां काम कर रहे पार्टी कार्यकताओं के उत्साह की सराहना की थी। मांझी ने कहा था कि ये ऐतिहासिक जुटान होगा, जिसमें राज्यभर से गरीब गुरबा शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा की ओर से शुक्रवार को पटना के गांधी मैदान में दलित समागम रैली का आयोजन किया गया। रैली में इस रैली में बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी शामिल हुए। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत एनडीए के कई बड़े नेता मौजूद रहे। जीतनराम मांझी और हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री जीतन मांझी ने बरी बात कही। उन्होंने कहा कि महादलित एकजुट हो गए तो अपने मन की सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता।गांधी मैदान में हो रहे दलित समागम में हम संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि चूंकि एनडीए की बैठक नहीं है,

ब्रीफ न्यूज

थरूर से जुड़े विवाद के बीच केरल के कांग्रेस नेताओं की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी सांसद शशि थरूर के कुछ बयानों से जुड़े विवाद के बीच शुक्रवार को राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें संगठन की स्थिति, विधानसभा चुनाव की तैयारियों और कुछ अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में हुई इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन, लोकसभा सदस्य शशि थरूर और प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे।केरल के कांग्रेस नेताओं की बैठक इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि इन दिनों पार्टी के सांसद तथा वरिष्ठ नेता शशि थरूर के अप्रसन्न होने की अटकलें हैं। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर द्वारा एक अखबार में लिखे हालिया लेख पर विवाद पैदा हो गया

बजट सत्र में गवर्नर ने बताया सरकार का रोडमैप; चुनाव से पहले 12 लाख नौकरी, 34 लाख रोजगार

एजेंसी

पटना:शुक्रवार को बिहार विधानमंडल के बजट सत्र की शुरूआत राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अभिभाषण के साथ हुआ। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की न्याय के साथ विकास की प्रतिबद्धता समावेशी विकास, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, रोजगार सृजन और शांतिपूर्ण सामाजिक व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास गति लाने के लिए केंद्र सरकार का पूरा समर्थन मिल रहा है। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 12 लाख नौकरी और 34 लाख रोजगार के लक्ष्य को हर हाल में पूरा कर लिया जायेगा। आरिफ मोहम्मद खान ने इसी साल 2 जनवरी को राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी। बजट सत्र के पहले दिन वे सेंट्रल हॉल में बिहार विधान सभा और बिहार विधान परिषद की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे।राज्यपाल ने कहा कि बिजली, सड़क और पीने योग्य पानी की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए 2005 से अब तक की गई कड़ी मेहनत के बाद बिहार को विकास पथ पर ले जाने के लिए 7 निश्चय कार्यक्रम 2015 में शुरू किया गया था और राज्य में युवाओं को 10 लाख नौकरियां और 10 लाख रोजगार के अवसर देने के लिए 2020 में 7 निश्चय (भाग -2) शुरू किया गया।अब तक 9.35 लाख से अधिक लोगों को पहले ही नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। शेष पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जारी है और सरकार ने अब चुनाव की घोषणा होने तक राज्य के युवाओं को 12 लाख नौकरियां प्रदान करने का संकल्प लिया है। जहां तक ??रोजगार सृजन का सवाल है, यह पहले ही 10 लाख के शुरूआती अनुमान के मुकाबले 24 लाख तक पहुंच चुका है ।

Pakistan Bomb Blast: पाकिस्तान के मदरसे में बम धमाका, 5 की मौत,

एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार (28 फरवरी) को एक मदरसे के भीतर बम धमाका हुआ है। इस हमले में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह धमाका रमजान से ठीक पहले हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।कहां हुआ धमाका ?यह विस्फोट अकोरा खट्टक जिले में स्थित प्रो-तालिबान मदरसे 'जामिया हक्कानिया' की मस्जिद में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है और मामले की जांच जारी है।किसी ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारी

अब तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।जामिया हक्कानिया मदरसा अफगान तालिबान से जुड़ा हुआ माना जाता है, इसलिए जांच की जा रही है कि यह हमला किस उद्देश्य से किया गया।रमजान से पहले हुए इस हमले से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, लेकिन सीएम फेस... दिलीप जायसवाल के बयान से बिहार में हलचल

एजेंसी

पटना:बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान से हलचल बढ़ गई है। जायसवाल ने कहा कि आगामी चुनाव एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ेगा। लेकिन, सीएम फेस के सवाल पर जायसवाल ने कह दिया कि यह संसदीय बोर्ड तय करेगा। हालांकि, कुछ देर बाद जायसवाल ने अपने इस बयान पर सफाई भी दे दी। उन्होंने कहा कि एनडीए का स्लोगन ह्न2025, फिर से नीतीशह्न है।बिहार बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल

ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने से पहले एक चैनल से बातचीत में ये बातें कहीं। नीतीश कुमार को सीएम फेस घोषित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्लियामेंट्री बोर्ड और एनडीए के पांचों घटक दल मिलकर तय करेंगे। आज ही सीएम चेहरा बनाने के लिए बोल रहे हैं, यह संभव नहीं है। उन्होंने साफ किया कि बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। नीतीश के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने के सवाल पर जायसवाल ने कहा कि कौन राजनीति में कब आएगा और कब जाएगा, इससे लोगों को क्या दिक्कत है। निशांत से विपक्ष के लोगों को इतना खतरा क्यों है। विपक्ष के पास कोई काम नहीं है। बता दें कि बिहार चुनाव से पहले नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने की अटकलें जोरों पर हैं। निशांत भी इन दिनों सक्रिय दिख रहे हैं। हाल ही में उन्होंने मीडिया से बातचीत में जेडीयू और एनडीए से अपने पिता नीतीश कुमार को सीएम चेहरा घोषित करने की मांग कर दी थी।

हालात के मुख्यमंत्री हैं नीतीश कुमार, जनता तो नकार चुकी है; तेजस्वी ने सीएम को फिर घेरा

एजेंसी

पटना:नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसा है। उन्होने कहा कि नीतीश कुमार परिस्थितियों के मुख्यमंत्री हैं, बिहार में जेडीयू तीसरे नंबर की पार्टी है। जनता इनको मुख्यमंत्री बनाना नहीं चाहती है।राज्य में सबसे बड़ी पार्टी तो राष्ट्रीय जनता दल है, बिहार की जनता ने तो नीतीश को पहले ही नकार दिया था, वो तो जोड़जाड़ कर इधर-उधर करके गणित करके मुख्यमंत्री बने हुए हैं, इसीलिए

हालात के मुख्यमंत्री हैं तेजस्वी ने कहा कि अब मजबूरी है, लाडला कहना, मुख्यमंत्री कहना, लोगों की मजबूरी है। अब तो ज्यादा सीटों के लिए भी बीजेपी से कहना पड़ रहा है।पहले तो जरूरत नहीं पड़ती थी, लेकिन अब कहना पड़ रहा है। वहीं नीतीश के बेटे निशांत कुमार को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वो हमारे भाई हैं, उनका आदर है, सम्मान है। हम तो चाहेंगे वो जल्दी राजनीति में आ जाएं, वरना भाजपा जेडीयू को खा जाएगी। ये पार्टी शरद यादव की बनाई हुई है नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अगर निशांत जल्दी आ जाएंगे, तो जदयू बच सकती है, संभावनाएं रहेंगी। हम लोग खुद राजनीति में आए, ।

दिल्ली में प्रशासनिक फेरबदल: रेखा गुप्ता की सचिव बनी मधु रानी तेवतिया, इन IAS अधिकारियों को भी मिलीं बड़ी

एजेंसी

दिल्ली:दिल्ली में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कई कअर अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियां की हैं। उप सचिव (सर्विसेस) भैरब दत्त ने आदेश जारी करते हुए अफसरों के तबादलों के बारे में जानकारी दी है। 2008 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ. मधु रानी तेवतिया को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का सचिव नियुक्त किया गया है।2007 बैच के कअर अजीमुल हक को दिल्ली वक्फ बोर्ड के सीईओ के पद पर नियुक्त

किया गया है।2008 बैच की कअर डॉ. मधु रानी तेवतिया को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का सचिव नियुक्त किया गया है। 2011 बैच के कअर संदीप कुमार सिंह सीएम रेखा गुप्ता के मुख्य सचिव बने हैं। 2011 बैच के कअर रवि झा को आबकारी आयुक्त के पद से हटा दिया गया है और उन्हें मुख्यमंत्री का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं 2014 बैच के कअर सचिन राणा अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी हैं, जिन्हें उसी पद पर रखा गया है।हालांकि उन्हें अतिरिक्त कार्यभार सौंपते हुए दिल्ली जल बोर्ड का सदस्य (प्रशासन) बनाया गया है। बता दें कि 8 फरवरी को मतगणना होने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए। भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटों पर जीत हासिल कर दिल्ली में सरकार बनाई। भाजपा ने 20 फरवरी को रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया।

अदालत ने पूछा- क्या यूसीसी के लिव इन प्रावधान पर नए सुझाव मांग सकता है

एजेंसी

नैनीताल । उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या वह प्रदेश में हाल में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर नए सुझाव आमंत्रित कर सकती है और जहां भी आवश्यक हो, संशोधन करने पर विचार कर सकती है। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज तिवारी और न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह सवाल बृहस्पतिवार को सहवासी (लिव-इन) संबंधों के बारे में यूसीसी के प्रावधानें को चुनौती देने वाली दो नयी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान किया।

वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सुनवाई में शामिल हुए मेहता ने इस सवाल के जवाब में कहा कि सभी सुझावों का हमेशा स्वागत है। मुख्य स्थायी वकील सी एस रावत के अनुसार, अदालत ने मौखिक रूप से सॉलिसिटर जनरल से राज्य विधानसभा से यूसीसी में आवश्यक संशोधन करने का आग्रह करने को भी कहा। उत्तराखंड में इस वर्ष 27 जनवरी से यूसीसी लागू हुआ है। अदालत ने मुख्य स्थायी वकील के जरिए राज्य सरकार से यह भी जानना चाहा कि क्या वह यूसीसी में आवश्यक बदलाव के लिए तैयार है।

जनहित याचिकाओं ने लिव-इन संबंधों के अनिवार्य पंजीकरण के समय युगल से मांगी जाने वाली सूचनाओं की संवैधानिकता को इस आधार पर चुनौती दी है कि इससे उनकी निजता का उल्लंघन होने की आशंका है। उच्च न्यायालय ने इस याचिका को भी पहले दायर अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ दिया है जिन पर एक साथ एक अप्रैल को सुनवाई होनी है। अदालत ने राज्य सरकार को इस मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। जनहित याचिकाओं

उत्तराखंड में बड़ा हादसा: चमोली जिले में बर्फ का पहाड़ धंसा, 57 मजूदर दबे; 32 लोगों को बाहर निकाला गया, बचाव कार्य जारी

एजेंसी

उत्तराखंड:उत्तराखंड में बर्फबारी के बीच शुक्रवार (28 फरवरी) बड़ा हादसा सामने आया है। चमोली जिले माणा गांव में बर्फ का पहाड़ धंसने से 57 मजदूर दब गए हैं। इनमें से बचाए गए लोगों की संख्या 16 से बढ़कर 32 हो गई है। जबकि अन्य को बाहर निकालने बचाव कार्य जारी है। हिमस्खलन के चलते प्रभावित क्षेत्र की ओर जाने वाला मार्ग बंद है।जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी हो रही है। उत्तराखंड के माणा गांव में एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही कळइढ और सेना के जवान गांव पहुंचे और बचाव कार्य

शुरू किया। रउअह्न और ठउअह्न की टीमें भी घटना स्थल पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। बीआरओ कैंप के पास हादसा

पुलिस के मुताबिक, हिमस्खलन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कैंप के पास हुआ है। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि इस घटना में 57 मजदूर फंस गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। 10 मजदूरों को बचा लिया गया है और गंभीर हालत में माणा के पास सेना के कैंप में भेज दिया गया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कमांडर कर्नल अंकुर महाजन ने बताया, सुबह 8 बजे हादसे की सूचना मिली है ठेकेदार के कुछ श्रमिक सड़क (हाइवे) निर्माण में लगे थे।मृतकों की सही संख्या स्पष्ट नहीं है।

बखरी में आयुष मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ, विधायक सूर्यकांत पासवान ने किया उद्घाटन

उपस्थित डॉक्टर एवं वरिष्ठ नागरिकों को किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय)। बखरी बाजार में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस आयुष मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का विधिवत शुभारंभ किया गया। बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान ने फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया। इस मौके पर अस्पताल के संस्थापक निदेशक डॉ. एम. एन. रहमानी ने उपस्थित लोगों को अस्पताल की विशेषताओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा आयुष हॉस्पिटलडॉ. रहमानी ने बताया कि यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से सुसज्जित है, जहां 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। अस्पताल में आईसीयू, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति, हृदय रोग, बाल रोग, फिजियोथेरेपी यूनिट, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड सहित तमाम जरूरी विभागों की सुविधा मौजूद है। साथ ही

जोड़ प्रत्यारोपण एवं हड्डी व जोड़ों के दर्द जैसी जटिल बीमारियों का भी विशेषज्ञ इलाज यहां संभव होगा।

ग्रामीण इलाकों में भी मिलेगी शहर जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं

इस अवसर पर डॉ. रहमानी ने कहा कि अस्पताल में अत्याधुनिक उपकरणों और विशेष चिकित्सा तकनीकों के माध्यम से मरीजों की सेवा की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शहरों जैसी चिकित्सा सुविधा अपने ही इलाके में मिल

सकेगी। इससे स्थानीय मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा और उन्हें दूर-दराज के बड़े शहरों तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

उद्घाटन समारोह में गणमान्य लोगों को किया गया सम्मानित

इस भव्य उद्घाटन समारोह में बखरी पीएचसी के एमओआईसी डॉ. दीपक कुमार, डॉ. शशिभूषण प्रसाद सिंह, डॉ. विक्रम, डॉ. रंजना कुमारी सिन्हा, डॉ. साबिया प्रवीण, डॉ. वसीम, डॉ. जफर इकबाल, तुफैल अहमद खान, पूर्व मुखिया अब्दुल हलीम अमर शर्मा कमर आलम समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी चिकित्सकों एवं वरिष्ठ नागरिकों को अंग वस्त्र और फूल-माला से सम्मानित किया गया।

संस्थापक एवं स्टाफ का योगदान

आयुष हॉस्पिटल के संस्थापक जदयू के वरिष्ठ नेता अब्दुल हलीम साहब और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एम. एन. रहमानी ने इस अस्पताल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद अलाखक आलम (बी. फार्मा), नौसवा परवीन (एएनएम), नफीसा खातून (एएनएम), हायातुल्ला सहित कई स्वास्थ्यकर्मी भी उपस्थित रहे। आयुष मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के शुभारंभ से बखरी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में एक नया आयाम जुड़ेगा।

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के उसराही में शमशाद मेमोरियल एकेडमी का हुआ उद्घाटन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के उसराही में शमशाद मेमोरियल एकेडमी का किया गया उद्घाटन

इस सभा से संबोधित करते हुए पीर तरीकत मौलाना बाकी बिल्लाह बाबू इफ्ता ही इजलास से उन्होंने कहा कि अपने बच्चों की तालीम के लिए इंग्लिश मीडियम का यह स्कूल है जिसमें अच्छी तालीम और अच्छा नजम सभी तरह की सुविधा दी जाएगी

जहां बच्चों को दूर दराज जाना पड़ता था आज वह आपके इलाके में ही मिल रहा है

डॉ. रिजवान आदिल ने कहा कि शमशाद मेमोरियल एकेडमी का आज उद्घाटन किया गया है

मरहूम मेरे दादा मोहतरम के नाम से इस एकेडमी को अमल में लाया गया यहां नर्सरी क्लास से लेकर आठवीं क्लास तक के बच्चे को तालीम दी जाएगी अंग्रेजी मीडियम से शिक्षा दी जाएगी हमारी यह कोशिश होगी इस इलाके में बच्चों को अच्छी तालीम के साथ न्यू टेक्नोलॉजी के हिसाब से उन्हें शिक्षा दी जाए इसके लिए हम पूरी तरह तैयारी कर रहे हैं

और उन्हें अच्छी से अच्छी सुविधा देने के लिए हम प्रयास रत हैं इस मौके पर मौलाना शिबली अल कासमी नाजिम इमारतें शरिया पटना ने शमशाद मेमोरियल एकेडमी का मकसद यह है कि यहां के बच्चे को अच्छी तालीम के साथ अच्छे माहौल में तालीम और तबियत दी जाए इस के लिए तजुर्बेकर शिक्षक एवं साफ सुथरे वातावरण में उन सभी बच्चों को शिक्षा दी जाएगी पीर तरीकत मौलाना बाकी बिल्लाह की दुआओं के साथ प्रोग्राम संपन्न हुआ ' शमशाद मेमोरियल एकेडमी के उद्घाटन के मौके पर खेताब करने वालों में अशफाक आलम, पक्ष्मी परियोजना एसडीओ केवटी, फैज अहमद, मानु डारेक्टर सह पीरिसंपल दरभंगा, राजद नेता आरिफ जिलानी अम्बर, मौलाना बाकिबिल्लाह,गोरौल शरीफ सीतामढ़ी, उप प्रमुख मोङ्ग इसराइल, पूर्व उप प्रमुख चाँद उसमानी, जदयू नेता हाफिज अबू शहमां, राजद लीडर अब्दुल हेयय, अन्य लोगों ने खेताब किया ' के फिता काट कर उद्घाटन बिस्फी थाना अध्यक्ष एवं पतौना थाना अध्यक्षऔर मौलाना शिबली अल कासमी,डायरेक्टर डॉ. रिजवान समेत अन्य लोगों ने फीता काटकर किया इस अवसर पर

शकील अहमद प्यारे, पत्रकार मोहम्मद बेलाल, मौलाना एजाज, खाली कुज्जमा उर्फ चांद, मौलाना शमशुल हक परोही, मोहम्मद इम्तियाज मुन्ना, मोहम्मद जसीम आले, राजद नेता मोहम्मद अकरम, मोहम्मद मुनाजिर हुसैन, मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन, मोहम्मद गालिब, पूर्व मुखिया अब्दुल खालिक, मोहम्मद जमील अख्तर,सहित बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित थे

48वीं वाहिनी के प्रांगण में सेक्टर लेवल लीड इंटेलिजेंस एजेंसी की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी के प्रांगण में सेक्टर लेवल लीड इंटेलिजेंस एजेंसी की बैठक एच जितन सिंह, उप महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पटना की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सहयोगी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक के दौरान भारत नेपाल सीमा पर हो रही अवैध गतिविधियों को देखते हुए सीमा पर विशेष चौकसी बरतने, शराब तस्करों पर नकेल कसने, सीमा पर गश्त बढ़ाने और आने-जाने वाले पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिए तथा नेपाल पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निदेशों के अलावा भारत नेपाल सीमा पर राजनीतिक और सुरक्षा परिदृश्य, हथियारों और गोला-बारूद और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी,धार्मिक कट्टरवाद, जाली मुद्रा की तस्करी, मानव तस्करी, आई॰एन॰बी पर अतिक्रमण, सक्रिय वामपंथी उग्रवादी/माओवादी, पर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर एच जितन सिंह, उप महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पटना, विवेक ओझा, कार्यवाहक कमांडेंट 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर , प्रफुल कुमार,कमांडेंट 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल , जी. सी पांडे, कमांडेंट 20वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, पांडे आशीष कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी 51वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल , वीरेंद्र कुमार अनुमन्डल पदाधिकारी जयनगर, विवेक के मिश्रा, अनुमन्डल पदाधिकारी बेनीपट्टी एवं अन्य सहयोगी एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित थे। एच जितन सिंह, उप महानिरीक्षक सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पटना ने बताया कि भारत-नेपाल के मित्रतापूर्ण संबंध हैं. इस संबंध को बनाए रखने के लिए समय-समय पर बैठक करना जरूरीक है और बताया गया कि सशस्त्र सीमा बल ने इस क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नजर रखी है, जिसमें सहयोगी एजेंसियों की भूमिका और योगदान सराहनीय है।

मधुबनी जयनगर के देवधा थाना क्षेत्र से एक वृद्ध का शव पेड़ से लटका हुआ मिला

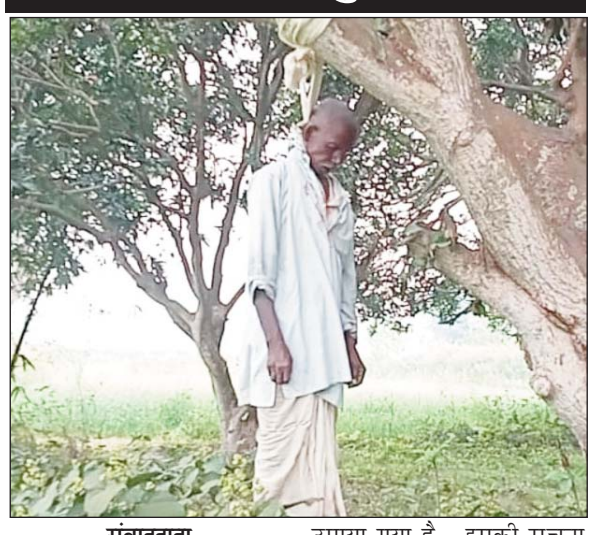

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला जयनगर के देवधा थाना अंतर्गत बगीचे से एक बुजुर्ग का शव पेड़ से लटका हुआ उपाया गया है , इसकी सूचना मिलते ही देवधा थाना की पुलिस दलबल के साथ उक्त स्थल पर पहुच कर अनुसन्धान शुरू किया । पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जनता दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने "जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों के आलोक में अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करे अधिकारी।..डीएम

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के द्वारा शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी" कार्यक्रम में जिले के सुदूर क्षेत्रो से आए हुए परिवादियों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया ।

गौरतलब हो कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार को जनता दरबार में

जिलाधिकारी कार्यक्रम के आयोजन के मौके पर जिलाधिकारी सभी परिवादियों से मुलाकात करते हैं और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी देते हैं. इस परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार,28 फरवरी को कुल 65 परिवादी अपनी शिकायतों के साथ जिलाधिकारी से मिले.प्रखंड पंडौल निवासी विनोद राम ने ग्राम पंचायत भगवतीपुर के वार्ड न 09 में नल जल रिपेयरिंग की समस्या होने से सम्बंधित शिकायत किया।

कमला देवी मधुबनी जिला निवासी ने भारत माला परियोजना अंतर्गत पैकेज 01 मौजा कलना का खेसरा संख्या 2289 (नया) के जमाबंदी में प्रविष्ट खाता ,खेसरा सुधारने के कार्य ने अनावश्यक विलंब से संबंधित शिकायत किया गया।

अमर कुमार शर्मा ने गलत ढंग से स्वच्छता पर्यवेक्षक का चयन कर लेने से संबंधित शिकायत किया '

प्रखंड खुटौना के निवासी रामखेलावन साह के द्वारा उनके निजी जमीन में आधा धुर जमीन कब्जा कर लेने से संबंधित शिकायत किया गया '

जिलाधिकारी द्वारा आए हुए सभी परिवादियों से बारी-बारी से शिकायतें सुनी गई और उनके परिवाद के निवारण हेतु संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए. जिलाधिकारी ने कई प्राप्त शिकायतों के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को फोन कर जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।-उक्त अवसर पर अपर समाहर्ता शैलेश कुमार,प्रभारी उप विकास आयुक्त नीरज कुमार आदि उपस्थित थे

बाइक दुर्घटना में दो घायल सदर अस्पताल छपरा रेफर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंसोही में बाइक की चपेट में आने से वृद्ध समेत बाइक सवार घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए गए जहां से सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। घायलों में बाइक सवार अरना गांव निवासी सत्येंद्र सिंह का 18 वर्षीय पुत्र प्रियांशु सिंह और वृद्ध स्व भुआली सिंह का 72 वर्षीय पुत्र दूधनाथ सिंह शामिल हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

पंचतत्व में विलीन हुई वार्ड सदस्या गायत्री देवी, बड़े पुत्र ने नम आंखों से दी मुखाग्नि

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगूसराय तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत गौरा एक पंचायत के वार्ड संख्या 7 निवासी व बाजार के मुख्य पुरोहित राधे मिश्रा की धर्मपत्नी व वार्ड सदस्या स्मृति शेष गायत्री देवी का निधन बुधवार की रात्रि उनके गौरा स्थित आवास पर हो गया वे लगभग 62 वर्ष की थी। कुछ ही दिनों से वे बीमार चल रही थी। जिनका इलाज चल रहा था। बुधवार की रात्रि अचानक तबीयत बिगड़ने से उनका निधन हुआ और वे इस दुनिया को अलविदा कह गई । उनके निधन से गौरा एक, बजलपुरा सहित पूरे क्षेत्र के अंदर शोक की लहर फैल गई। उनके पार्थिव शरीर के दर्शनार्थ हेतु उनके आवास पर अंतिम दर्शन को लेकर शुभचिंतकों का भीड़ उमड़ पड़ा। उनके शव यात्रा गुरुवार को 11:00 बजे उनके आवास से निकाली गई। जहां पूर्व सरपंच चंद्रमणि कुमार, डॉक्टर शंभूपोद्दार, वार्ड सदस्य योगेंद्र पासवान, दीपक कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर फूल माला देकर श्रद्धांजलि दी। उनके पार्थिव शरीर को गंगा घाट पर उनके बड़े पुत्र धर्मेंद्र कुमार पाठक उर्फ पप्पू ने अपनी दिवंगत माता को मुखाग्नि दी और उनका पार्थिव काया पंचतत्व में विलीन हो गया। पूर्व मुखिया सह मुखिया संघ के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष हेमंत कुमार ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि गायत्री देवी ने एक कुशल गृहिणी के रूप में पारिवारिक दायित्व के साथ सामाजिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारी का भी व खूबी निर्वाह किया जिसका प्रतिफल उनके पुत्र-पुत्री एवं पौत्र सहित पूरा भरा पुरा परिवार सर्वश्रेष्ठ परिवार के रूप में पहचान है।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक हुईआयोजित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक हुईआयोजित।* -ओवर ऑल प्रदर्शन में सीओ फुलपरास खुटौना एवं राजनगर अव्वल वहीं को बाबूबरही ,बिस्फी एवं रहिका प्रदर्शन निम्न रहा।

।--- लगान वसूली के कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश सभी अंचलाधिकारियों को अतिक्रमणवाद को गंभीरता से लेकर त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश।- - दाखिल खारिज में हरलाखी का प्रदर्शन सबसे अच्छा एवं घोघरडीहा सीओ का प्रदर्शन सबसे निम्न पाया गया-- विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं,महत्वपूर्ण भवनों के लिए भूमि उपलब्धता के कार्य को प्राथमिकता में रखकर ससमय भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करे- जिलाधिकारी- -.

न्यायालय संबधी मामलों किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही. - अभियान बसेरा 2 की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इसके तहत एक भी पात्र भूमिहीन छूटे नही,इसे हर हाल में सुनिश्चित करे.

--नीलाम पत्रवाद की नियमित समीक्षा कर तेजी से निष्पादित करने का दिया निर्देश।

भूमिविवाद के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ ससमय निष्पादित करे--जिलाधिकारी।

लोक सेवाओं के अधिकार के तहत प्राप्त आवेदनों को हरहाल में निर्धारित अवधी में निष्पादित करने का दिया निर्देश, विलंब पर होगी कार्रवाई.

लोक सेवा अधिकार अधिनियम के तहत आरोपित दंड को संबधित अधिकारियों से ससमय वसूली करने का दिया निर्देश,दंड नही जमा करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध प्रपत्र की करवाई करने का दिया निर्देश।

मधुबनी 28 फरवरी 2025 जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक

आयोजित की गई।राजस्व विभाग के विभिन्न मानकों में ओवर ऑल प्रदर्शन में सीओ फुलपरास, खुटौना एवं राजनगर अव्वल रहे वहीं सीओ बाबूबरही ,बिस्फी एवं रहिका का प्रदर्शन निम्न पाया गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लगातार तीन माह निम्न प्रदर्शन करने वाले पर जवाबदेही तय करते हुए करवाई की जाएगी। अतिक्रमणवाद की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अतिक्रमण के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ त्वरित रूप से निष्पादित करे। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने अतिक्रमण वाद में किसी भी प्रकार की शिथिलता पर संबंधित सीओ के विरुद्ध करवाई की बात भी कही। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सीओ अतिक्रमण वाद के मामलों को सरजमीनी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का भी निर्देश दिया. उन्होंने उपस्थित सभी डीसीएलआर को नियमित रूप से अंचलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया. उन्होंने सभी सीओ को जलनिकायों के अतिक्रमण को स्वयं चिन्हित कर उसपर अतिक्रमण वाद चलाकर अतिक्रमण मुक्त करने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी सीओ को तेजी के साथ नीलाम पत्रवाद का निष्पादन करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने लगान वसूली कार्य की समीक्षा के क्रम में इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया।लोक सेवाओं के अधिकार की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों को निर्धारित अवधी में हर हाल में निष्पादित करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि लोक सेवा अधिकार अधिनियम के तहत आरोपित दंड को संबधित अधिकारियों से ससमय वसूली भी करे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि दंड की राशि नही जमा करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध प्रपत्र क की करवाई करे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दरबार में सबसे अधिक परिवाद भूमि विवाद से संबंधित होते हैं। भूमि विवाद के समाधान के लिए थाना दिवस को उपयोगी बताते हुए उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से जुड़े मामलों में अधिकतर मामलों को भूमि की मापी करवाकर निष्पादित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भूमिविवाद के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ ससमय निष्पादित करे.अभियान बसेरा 2 की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इसके तहत एक भी पात्र भूमिहीन छूटे नही,इसे हर हाल में सुनिश्चित करे. सीडब्लूजेसी की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि न्यायालय संबधी मामलों को पूरी गंभीरता से लेकर,ससमय एसओएफ तैयार कर ससमय ओथ करे। उन्होंने कहा कि इसमें थोड़ी भी लापरवाही एवं शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि माननीय न्यायालय द्वारा प्राप्त आदेश का अनुपालन हर हाल में ससमय करवाना सुनिश्चित करें. जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निम्न प्रदर्शन करने वाले अंचल अगली बैठक तक अपने प्रदर्शन में सुधार कर लें,

सोनी सब की भारत में पहली बार अनूठी तकनीकी क्रांति: उज्जैन के आसमान में श्री राम घाट पर अद्भुत 3डी होलोग्राफिक स्काई प्रोजेक्शन के साथ जीवंत हुअवीर हनुमान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- अभिनेता महिर पंधी, आरव चौधरी, सायली सालुंके और आन तिवारी इस ऐतिहासिक भव्य लॉन्च के लिए पवित्र मंदिर नगरी पहुंचे प्र

उज्जैन, 24 फरवरी, 2025: सोनी सब के बहुप्रतीक्षित पौराणिक धारावाहिक "वीर हनुमान" का भव्य लॉन्च एक ऐतिहासिक आयोजन के साथ हुआ, जिसने उज्जैन के आसमान को पहली बार 3डी होलोग्राफिक स्काई प्रोजेक्शन से रोशन कर दिया। श्री राम घाट पर हुए इस शानदार प्रदर्शन ने भगवान हनुमान की कहानी की एक झलक पेश की, जो महाशिवरात्रि के अवसर से पहले शहर के आसमान में दिखाई दी।

इस अत्याधुनिक तकनीक और आध्यात्मिक महत्व के अद्वितीय संगम ने "वीर हनुमान" की भक्ति-प्रधान कथा को बखूबी दर्शाया। 3डी होलोग्राफिक प्रोजेक्शन ने शो की रोमांचक कहानी की झलक दी और सोनी सब पर इसके शुभारंभ के लिए एक पवित्र वातावरण तैयार किया।

"वीर हनुमान" के कलाकारों में महिर पंधी (बालि और सुग्रीव), आरव चौधरी (केसरी), सायली सालुंके (अंजनी) और आन तिवारी (बाल हनुमान) इस शुभ अवसर पर मौजूद रहे। प्रोजेक्शन से पहले सभी कलाकारों ने एक स्थानीय हनुमान मंदिर में जाकर प्रार्थना की और श्री राम घाट पर आरती समारोह में भाग लिया।

आरव चौधरी ने कहा, "उज्जैन में इतने सारे भक्तों के बीच इस शो को लॉन्च करना और इस अनूठी गतिविधि का हिस्सा बनना अविश्वसनीय अनुभव था। इस पवित्र और भक्ति-भावनाओं से भरपूर माहौल ने इस क्षण को और भी खास बना दिया। मुझे इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला, इसके लिए मैं आभारी हूँ।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए महिर पंधी ने कहा, "उज्जैन के आसमान में हनुमान जी की कहानी को देखना एक अद्भुत और भावनात्मक अनुभव था। यह शो की भव्यता और भक्ति को दर्शाने का एक शानदार तरीका था और मैं आभारी हूँ कि इस अनोखे पल को मैंने वहां उपस्थित सभी लोगों के साथ साझा किया।"

सायली सालुंके ने इस अविश्वसनीय अनुभव पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "इस प्रोजेक्शन के दौरान मेरे रोंगटे खड़े हो गए और ऐसा लगा मानो हनुमान जी हमें आशीर्वाद दे रहे हों। ऐसा अनुभव हुआ जैसे हनुमान जी वास्तव में हमारे बीच मौजूद हैं और हमें हर कार्य में मार्गदर्शन दे रहे हैं।"

आन तिवारी, जो बाल हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं, ने कहा, "मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। यह जादू जैसा लगा। आसमान में खुद को हनुमान जी के रूप में देखकर मैं बेहद खुश हुआ।"

सोनी सब अपनी कहानी सुनाने की सीमाओं को लगातार आगे बढ़ा रहा है, और इस अनोखे आयोजन के माध्यम से दर्शकों को "वीर हनुमान" की जादुई दुनिया का अनुभव देने का प्रयास कर रहा है। "वीर हनुमान" 11 मार्च 2025 से सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होगा।

उर्दू साहित्य क्षेत्रीय संस्कृति और सभ्यता का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है: प्रो मुश्ताक अहमद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- उर्दू में मिथलांचल सभ्यता और संस्कृति का एक समृद्ध प्रतिबिंब: प्रो नदीम अहमद
- संस्कृति ने उर्दू साहित्य को एक सांस्कृतिक पहचान दी है: प्रो जोहर
- उर्दू भाषा अध्ययन में मिथला संस्कृति सहायक: प्रो मुहम्मद काज़िम
- (सीएम कॉलेज, दरभंगा में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन)

दरभंगा - विश्व साहित्य के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि साहित्य उसकी क्षेत्रीय सभ्यता का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है और किसी क्षेत्र विशेष का सांस्कृतिक इतिहास साहित्य के माध्यम से संकलित किया जा सकता है। ये विचार सीएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने अपने अध्यक्षीय भाषण में व्यक्त किये. प्रोफेसर अहमद आईसीएसएसआर के सहयोग से उर्दू और फारसी विभाग द्वारा "उर्दू भाषा और साहित्य पर मिथिला संस्कृति का प्रभाव" विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रोफेसर अहमद ने कहा कि कोई भी साहित्यकार एवं लेखक अपने परिवेश से अनजान नहीं रहता है और वह अपने काम में अपने परिवेश से प्राप्त प्रभावों को उजागर करता है। यहां की मिथिला संस्कृति न सिर्फ आम जीवन में देखने को मिलती है, बल्कि इसकी झलक यहां के साहित्य में भी मौजूद है. प्रोफेसर अहमद ने कहा कि यह विषय अध्ययन का विषय है और इस महत्वपूर्ण विषय पर जो भी लेखक अपनी राय पेश करेंगे, उन्हें दस्तावेजी रूप दिया जाएगा, ताकि यह साबित हो सके कि मिथिलांचल के उर्दू के लेखकों और कवियों ने किस तरह यहां की सामाजिक व्यवस्था से बौद्धिक और सैद्धांतिक पूंजी हासिल की है और किस तरह एक विशेष क्षेत्र की सभ्यता साहित्य में पहचानी गई है. 19वीं सदी की शुरूआत से ही इस इस प्रकार के शोध को उर्दू में जगह दी गई है. डॉ अहमद ने

अपने भाषण में प्रसिद्ध उर्दू शोधकर्ता गारसादतासी, सैयद सबाहुद्दीन अब्दुल रहमान का जिक्र किया और कहा कि उनके शोध में यहां की सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ मिथलांचल की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक होने की पुष्टि की। इसमें मिथिलांचल की संस्कृति और सभ्यता की समृद्ध झलक मिलती है और उन्होंने इस क्षेत्र के साहित्य और काव्य तथा संगोष्ठी के विषय की सराहना की।प्रोफेसर नदीम अहमद जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली ने अपने लेख में यह कहा कि मिथिलांचल के लेखकों ने मिथिला की विशिष्ट संस्कृत विरासत को पेश किया है और उसकी वजह से उर्दू साहित्य समृद्ध हुआ है उर्दू के कवियों और कहानीकारों के साहित्य में पूरे मिथिला की झलक देखने को मिलती है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के उर्दू विभाग के प्रोफेसर मुहम्मद अली जौहर ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि मिथिला संस्कृति ने उर्दू साहित्य को एक सांस्कृतिक पहचान दी है और यह सेमिनार एक नए विषय पर आयोजित किया जा रहा है जिससे पूरे उर्दू जगत को लाभ होगा और नई रोशनी मिलेगी। प्रोफेसर मुहम्मद काज़िम, उर्दू विभाग, दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली ने मिथिलांचल के विशिष्ट साहित्य पर बात की और इस बात पर प्रकाश डाला कि इस संस्कृति ने उर्दू कथा लेखकों और उपन्यासकारों को कैसे प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि मिथिलांचल की बोली और यहां की संस्कृति पर उर्दू कथा लेखक सोहेल अजीमाबादी, शाने मुजफ्फरपुरी, कौसर मजहरी आदि का प्रभाव महत्वपूर्ण है। प्रारंभ में डॉ. खालिद अंजुम उस्मानी ने सेमिनार के विषय के वैज्ञानिक और साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डाला और प्रारंभिक टिप्पणियों के साथ सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन सभा का संचालन डॉ. फैजान हैदर ने किया तथा उर्दू विभाग की शिक्षिका डॉ. शबनम ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र के अलावा दो तकनीकी सत्र आयोजित किये गये। पहले सत्र में प्रो. नदीम अहमद, मुहम्मद अली जौहर, प्रो. आफताब अशरफ, प्रो. मुहम्मद इफ्तिखार अहमद, डॉ. शाहनवाज आलम, डॉ. करातुल ऐन, डॉ. मुतिउर रहमान, डॉ. अब्दुल हई, डॉ. शबनम आदि ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये। दूसरे सत्र में डॉ. नसरीन, डॉ. मसरूर हादी, डॉ. मुजाहिद इस्लाम, डॉ. अलाउद्दीन खान, डॉ. मुहम्मद मुसूफ रजा, डॉ. जसीमुद्दीन, डॉ. मनवर राही मुहम्मद समीउद्दीन खालिक, डॉ. फैजान हैदर आदि ने अपने लेख प्रस्तुत किये। इस अवसर पर विश्व प्रसिद्ध उर्दू शायर प्रोफेसर शाकिर खालिक ने सेमिनार के विषय के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये और मिथिलांचल की सांस्कृतिक पहचान और उर्दू भाषा और साहित्य के बीच संबंधों पर चर्चा की। स्पष्ट रहे कि प्रोफेसर खलीकी वर्षों से मिथलांचल की सांस्कृतिक पहचान और उर्दू के संबंध पर लेख लिखते रहे हैं, जिसका जिक्र अधिकांश निबंधकारों ने किया है. सेमिनार में डॉ. नजीब अख्तर मुहम्मद बदरुद्दीन, डॉ. जेबा परवीन, डॉ. अमीन ओबैद, डॉ. रहमतुल्लाह अफजल आदि सहित बड़ी संख्या में दरभंगा एवं आसपास के कॉलेजों के शिक्षक एवं शोधार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर संगोष्ठी में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा पत्रिका का भी विमोचन किया गया। यह स्पष्ट होना चाहिए कि संगोष्ठी के आलेख शीघ्र ही पुस्तक रूप में प्रकाशित किये जायेंगे।

जन जीवक कल्याण संघम द्वारा निः शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखंड के कलना में जन जीवक कल्याण संघम द्वारा मिथिला परिक्रमा कल्याणेश्वर स्थान कलना में निः शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि शंकर पटेल थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी व डॉ राम कृपाल महतो ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया इस दौरान डॉ. मो फैसल ने कहा कि निः शुल्क चिकित्सा शिविर में श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच मध्यमा परिक्रमा मेला कल्याणेश्वर में जन जीवक कल्याण संघम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसका नेतृत्व जिला सचिव डॉ सत्यनारण मंडल व डॉ नरेश कुमार ने किया। शिविर में हजारों यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच कर जरूरतमंदों को मुफ्त दवा भी दिया गया। मौके पर डॉ. आरती मंडल कृष्णा नंद चौधरी राजेन्द्र प्रसाद सुनील कुमार साह अहमद राजा राजन कुमार पाण्डेय विद्यानंद कुमार समेत अन्य ग्रामीण चिकित्सक मौजूद थे।

राजद जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शिष्टमंडल बहरौली गांव में ग्रामीणों से की मुलाकात

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव में श्मशान की भूमी के विवाद के बाद पुलिसिया कार्रवाई के बाद सारण राजद जिलाध्यक्ष सुनील राय और बनियापुर विधानसभा से राजद के भावी प्रत्याशी सुमित कुमार गुप्ता के नेतृत्व में राजद शिष्टमंडल ने ग्रामीणों से मुलाकात की। मौके पर राजद प्रखंड अध्यक्ष मशरक वरूण यादव, पानापुर धर्मेंद्र कुमार यादव, ज़िला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष,जिला पार्षद चांदनी देवी, चंदेश्वर राय,जिला महासचिव अजय राय, डॉ वकील राय,शिव कुमार यादव, मुन्ना राय समेत अन्य मौजूद रहें। राजद जिलाध्यक्ष सुनील राय ने ग्रामीणों से घटना से जुड़े सारी जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि आप सभी निश्चित रूप से घरों पर रहें। उन्होंने कहां कि राजद का एक शिष्टमंडल जल्द ही सारण डीएम और एसपी से मुलाकात कर इस घटना में जुड़े सारे लोगों पर उचित कार्रवाई करने की मांग की जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मुद्दे को पार्टी बड़ा आंदोलन का रूप देंगी और पार्टी इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगी।

ईंट चिमनी से हथियारों के साथ चार बदमाश गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किए देसी कट्टा और कारतूस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) ' थाना क्षेत्र के पहसारा ए वन ईंट चिमनी पर से पुलिस ने चार बदमाशों को हथियार के साथ शुक्रवार को गिरफ्तार किया है.थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि चिमनी पर बदमाशों की गतिविधि है और हथियारों का जखीरा जमा किया गया है.और कोई वारदात को अंजाम देने की तैयारी चल रही है.इसके सत्यापन के लिए पुलिस टीम को भेजा गया. पहसारा के ए वन ईंट चिमनी पर पुलिस के द्वारा छापेमारी की गयी.इसमें मटिहानी थाना के रामदीरी के रामबालक सिंह का पुत्र रंकज कुमार, सहदेव सिंह का पुत्र प्रियांशु कुमार उर्फ बंटी, विजय सिंह का पुत्र रौनक कुमार उर्फ छोटू एवं तेघड़ा थाना के आधारपुर के रंधीर सिंह का पुत्र गुलशन कुमार को गिरफ्तार किया. तलाशी लेने के क्रम में दो देसी कट्टा और 10 जिंदा कारतूस और चार मोबाइल बरामद किया गया.पुलिस इन चारों के अपराधिक रिकॉर्ड ढूंढ रही है.फिलहाल अवैध हथियार एवं कारतूस रखने के धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में बेगूसराय भेज दिया गया है.इस गिरफ्तारी में थाना अध्यक्ष के अलावे सब इंस्पेक्टर मनोज प्रसाद और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

डीएम ने किया बछवाड़ा प्रखंड के विभिन्न योजनाओं का स्थल निरीक्षण

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला द्वारा 27 फरवरी गुरुवार को बछवाड़ा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों मे संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में विधायक बछवाड़ा -सह-खेल मंत्री बिहार, श सुरेन्द्र तेघड़ा राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी बछवाड़ा, अंचल अधिकारी बछवाड़ा एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी द्वारा बछवाड़ा प्रखंड-सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया गया, उसके बाद प्रखंड परिसर में बन रहे खेल मैदान, निमाणार्धीन जीविका भवन, जीविका द्वारा संचालित सामुदायिक लाइब्रेरी एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा को खेल मैदान के रनिंग ट्रैक को चौड़ा करने, निमाणार्धीन जीविका भवन को संबंधित संवेदक को ससमय कार्य पूर्ण करने तथा लाइब्रेरी में किताबों की संख्या बढाने का निर्देश दिया। फिर रानी एक पंचायत में निर्मित पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया, वहां उपस्थित पंचायत सचिव एवं मुखिया को पंचायत सरकार भवन साफ-सुथरा रखने तथा सभी पंचायत स्तरीय कर्मी को नियमित पंचायत आने का निर्देश दिया गया। झमटिया घाट के निरीक्षण के दौरान वहां उपस्थित आमजनों से उनकी समस्याओं को सुना। लोगों ने बताया कि यहां पर गंगा स्नान करने हेतु काफी भीड़लगती है, जिस पर जिला पदाधिकारी द्वारा बैरिकेटिंग करने, घाटों की साफ-सफाई एवं सौंदर्याकरण करने एवं चेंजिंग रूम बनाने का निर्देश प्रखंडइसके बाद रानी तीन पंचायत में संचालित हेल्थ एंड वेल्नेस सेंटर, निमाणार्धीन स्वास्थ्य उपकेन्द्र एवं पंचायत सरकार भवन हेतु चयनित स्थल का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा उपस्वास्थ्य केन्द्र का कार्य ससमय पूर्ण करवाने तथा पंचायत सरकार भवन का निर्माण भी शीघ्र चालूकराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। रानी तीन पंचायत के सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया गया तथा वहां महादलित लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को जाना एवं अविलंब संबंधित पदाधिकारी को समाधान कराने का निर्देश दिया। वहीं रानी विद्यालय रानी पश्चिमी के परिसर में बने खेल मैदान, स्मार्ट क्लॉस में उपलब्ध सुविधा का निरीक्षण किया तथा वहां मध्याहन भोजन खाते हुए बच्चों से मिलकर खानेकी गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिला पदाधिकारी द्वारा समय-समय पर रोस्टर बनाकर सभी विद्यालयों का निरीक्षण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया।रानी तीन पंचायत में मनरेगा द्वारा निर्मित गोलाघाट सीढ़ी का उदघाटन जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया साथ ही बगल में स्थित छट घाट का भी निरीक्षण भी किया गया।फतेहा पंचायत में निमाणार्धीन उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं खेल मैदान का निरीक्षण किया गया।वहीं चिरंजीवीपुर पंचायत में उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय चकिया तथा चिरंजीवीपुर में प्लस टू विद्यालय के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। संबंधित पदाधिकारियों को यथाशीघ्र कार्य को पूर्ण कराने का निर्देश जिला पदाधिकारी द्वारा दिया गया।चमथा दो पंचायत में त्रिवेणी महाविद्यालय के समीप बने रहे सीढ़ी घाट का निरीक्षण किया। जिला पदाधिकारी ने घाट की उड़ाही कराने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी द्वारा चमथा दो पंचायत में बने डब्लूपीयू का उदघाटन जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। साथ ही जिलाधिकारी महोदय द्वारा चमथा दो पंचायत में आयुष्मान हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर परिसर में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए चिन्हित जमीन का निरीक्षण किया तथा निमाणार्धीन पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया एवं निर्माण कार्य को ससमय पूरा करने का निदेश दिया गया।

डीएम ने जनता दरबार में लोगों की फरयाद सुनी

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :डीएम रिची पाण्डेय ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार कार्यक्रम में परिवादियों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी द्वारा बारी-बारी से सभी परिवादियों से मुलाकात की गई एवं उनके समस्याओं को सुना गया।अधिकांश मामले अतिक्रमण, भूमि विवाद, आपसी विवाद,सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य,सड़क,विद्युत,पी एच ई डी एवं अन्य विभागों से संबंधित थे। जनता दरबार कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें इसमें किसी भी तरह की कोताही स्वीकार्य नहीं होगी।

भारत रत्न से सम्मानित डॉ राजेंद्र प्रसाद जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न से सम्मानित डॉ राजेंद्र प्रसाद जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। वहीं दूसरी ओर लोजपा रामविलास राज्य मुख्यालय पटना में डॉ राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि मनाई गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ: सत्यानंद शर्मा तथा वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी ने डॉ राजेंद्र प्रसाद जी के पुण्यतिथि के अवसर पर उनके तैल्यचित्र पर मलार्पण कर श्रद्धांजलि दिए।पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह, विष्णु पासवान, नौशाद आलम ,प्रदेश प्रवक्ता दिनेश पासवान ,महिला प्रदेश अध्यक्ष शोभा पासवान ,अल्पसंख्यक सेल उपाध्यक्ष सैयद सरवर अली, सियाराम कुमार ,मनीष सिंह, ओम प्रकाश भारती ,सुरेश पासवान तथा पार्टी के अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मशरक नगर पंचायत में सड़क व नाला निर्माण का शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र दक्षिण टोला गांव समेत विभिन्न वार्डों में सड़क व नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ चेयरमैन सोहन महंतों, कार्यपालक पदाधिकारी मो शहनवाज रजा, उप मुख्य मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अमित सिंह ने फीता काट किया। चेयरमैन सोहन महंतों ने बताया कि वार्ड -14 और वार्ड -13 में पीसीसी सड़क और वार्ड - 7 में नाला निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है वहीं जल्द ही अन्य वार्डों में भी सड़क समेत अन्य कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। ऐसे में अब हर तरफ विकास कार्यों की शुरूआत की जा रही है सड़क और नाला निर्माण से वार्डों में निवास करने वाले लोगों को राहत मिलेंगी। मौके पर वार्ड पार्षद उमाशंकर राय ,सिकंदर महंतों,सूरज राम, दिनेश कुशवाहा,विकेश राम समेत अन्य मौजूद रहें।

लोन दिलाने के नाम पर अकहां के महिला के साथ हुई ठगी 5 लोगों के विरुद्ध थाना में मामला दर्ज

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय जिले के बखरी थाना के अकहा वार्ड नंबर 16 के विशाल यादव की पत्नी श्याम कुमारी ने रितंभरा फाइनेंस कपनी के नाम पर धोखाधड़ी का कांड अंकित कराया है.शुक्रवार को पीड़िता ने बताया कि रोहित कुमार विशाल कुमार महेश कुमार प्रवीण कुमार एवं कुंदन कुमार लोन दिलाने की पर्लोभन देकर मुजसे 5500 रपये सहित करीब लाखो रुपए का धोखाधडी किया है।मेरी सास प्रीति देवी तथा अन्य जिसमें अमित यादव की पत्नी शोभा देवी तथा रंजीत यादव की पत्नी हेमा देवी प्रमोद यादव की पत्नी माला देवी सचिन यादव की पत्नी फूल कुमारी संजीव यादव की पत्नी सीता देवी दिनेश यादव की पत्नी रंजन देवी एवं दर्शन शर्मा की पत्नी हीरो देवी प्रिया व्रत शर्मा की पत्नी सुधु देवी कांत यादव की पत्नी सुलेखा देवी अनिल यादव की पत्नी पारो देवी सीताराम यादव की पत्नी उर्मिला देवी सहित अन्य से लोन देने के नाम पर लाखों रुपया की धोखाधड़ी किया गया है इस बाबत जब लोन राशि में टालमटोल होने लगा तो उसके दफ्तर में जब पहुंचे तो उपरोक्त लोग दफ्तर बंद कर भाग गया थाना अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर उसने रोहित कुमार विशाल कुमार महेश कुमार प्रवीण कुमार एवं कुंदन कुमार के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की बात कहिए थाना अध्यक्ष फैसल अहमद अंसारी ने कांड दर्ज कर तहकीकात प्रारंभ कर दी है

साहित्य समाज को जोड़ने का बड़ा साधन है : रजनीश कुमार राय,

जिला उर्दू कोषांग की ओर से मुशायरा का किया गया आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। साहित्य समाज को जोड़ता है। उर्दू साहित्य में उर्दू कविता को महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। कविता मनुष्य के व्यापक जीवन संघर्ष और लोक जीवन की अनेक समस्याओं तथा उसके यथार्थ से नाता जोड़ लिया है। कविता सुनने वाला व्यक्ति रचना में अपनी छवि देखा है और मंत्रमुग्ध हो जाता है। उक्त बातें उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण रजनीश कुमार राय ने जिला उर्दू कोषांग की ओर से फरोग - ए - उर्दू सेमिनार के दूसरे सेशन में आयोजित मुशायरा में कहीं। उन्होंने कहा कि उर्दू गजल उर्दू साहित्य की एक ऐसी विधा है जिसमें सिर्फ दो पंक्तियों में पूरी बात कही जा सकती है उर्दू गजल में शिल्प के साथ - साथ तकनीक का भी ध्यान रखा जाता है। हम उर्दू पढ़े और लोगों को भी उर्दू पढ़ाएं ताकि हम उर्द साहित्य को गहराई से जान सकें। काविश जमाली, आफताब समस्तीपुरी, आलम सिद्दीकी, आसिफ वकील, रंजन लता, प्रवीण कुमार चुन्नू , ऐयूब अंसार, मुकीम दानिश ने काव्य पाठ करते हुए कई विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रभारी पदाधिकारी जिला उर्दू भाषा कोषांग मो खालिद अनवर जिलानी, इजहार अशरफ, शाजिया तमकीन, रहमत अली, मो तारिकउजमा, डॉक्टर वासिया इरफाना, शारिक रहमान लवली, मो सनाउल्लाह, परवेज हक, मो इरफान, मो आलम सिद्दीकी, सादिया तबस्सुम, मो असादुल्लाह, मो मंजूर आलम, आदिल रहमान खां, जियाउर रहमान वगैरह मौजूद थे।

कोपड़िया स्टेशन के रेल परिक्षेत्र स्थित रेल भूमि एवं समपार संख्या 11 से कोपड़िया स्टेशन के बीच के इर्द गिर्द तथा कोपड़िया स्टेशन के दोनों तरफ की रेल भूमि से अतिक्रमण हटाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को समस्तीपुर मंडल के कोपड़िया स्टेशन के रेल परिक्षेत्र स्थित रेल भूमि एवं समपार संख्या 11 से कोपड़िया स्टेशन के बीच के इर्द गिर्द तथा कोपड़िया स्टेशन के दोनों तरफ की रेल भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। विदित हो कि इस अतिक्रमण मुक्ति अभियान के दौरान कोपड़िया स्टेशन के रेल परिक्षेत्र स्थित रेल भूमि एवं समपार संख्या 11 से कोपड़िया स्टेशन के बीच के इर्द गिर्द तथा कोपड़िया स्टेशन के दोनों तरफ की रेल भूमि से अतिक्रमित करके बनाई गई अवैध दुकानों तथा अन्य स्थायी एवं अस्थाई निर्माण को रेल प्रशासन द्वारा जेसीबी मशीन से तोड़ कर हटाया गया। इस क्रम में वहां पर अवैध रूप से चल रहे दुकान सहित झोपड़ियों तथा अन्य सभी छोटे बड़े निर्माण को भी हटाया गया। इस अभियान के माध्यम से कुल 230 दुकानें/ झोपड़ियों को हटाया गया जिससे 6500 वर्गमीटर रेलवे की जमीन अतिक्रमणमुक्त कराया गया। रेलवे की इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों और यात्रियों द्वारा काफी सराहा जा रहा है तथा अतिक्रमण को हटाने के लिए रेल प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का स्वागत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कोपड़िया स्टेशन के रेल परिक्षेत्र स्थित रेल भूमि एवं समपार संख्या 11 से कोपड़िया स्टेशन के बीच के इर्द गिर्द तथा कोपड़िया स्टेशन के दोनों तरफ की रेल भूमि पर चल रही इन अवैध दुकानों को हटाने से रेलवे की काफी जमीन अतिक्रमण मुक्त हुई है। जिससे अब यात्रियों को भी आने जाने में सहूलियत होगी एवं कीमती रेल भूमि पर रेलवे का और अधिक विकास कार्य हो सकेगा। इस कार्रवाई से यात्रियों और स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है। उन्होंने रेल प्रशासन को धन्यवाद दिया है। विदित हो कि रेल प्रशासन ने इस कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है और अवैध दुकानों को हटाकर रेल परिसर को साफ कर दिया है। यह कार्रवाई रेलवे की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करने और यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए की गई है। इससे रेल संरक्षा में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्थानीय लोगो ने कहा कि "हम रेल प्रशासन को इस कार्रवाई के लिए धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयां करते रहेंगे जो यात्रियों और स्थानीय लोगों के हित में होगी।

देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद का मनाया गया पुण्यतिथि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शुक्रवार को मोरवा विधानसभा अंतर्गत लसकारा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार चौधरी ने की। पुण्यतिथि के अवसर पर श्री निषाद ने समारोह को सबसे पहले उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुरू किया गया। उन्होंने देश के प्रथम राष्ट्रपति के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे आजाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति हुए जिनके कार्यकाल एवं देख रेख में ही भारत के संविधान लिखा गया। वे सरल एवं मृदुभाषी स्वाभाव के थे। मौके पर पूर्व जिलापार्षद विभा देवी, प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह, राम शकल सिंह, डॉ दिलीप कुमार चौधरी, रामानंद सिंह, अनिल सिंह कुशवाहा, कमल किशोर शर्मा, संजय कुमार राम, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, आत्माराम सिंह, मुकेश कुमार चौधरी, सुरेश प्रसाद सिंह, संजय चौधरी निषाद, रंजीत राय, अमरजीत कुमार, अच्छेलाल महतो, डॉ बलराम सिंह, नागेश्वर राम, मो बसीर, संघर्ष कुमार आदि मौजूद थे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल परिवार ने विज्ञान दिवस मनाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल मुक्तापुर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा करना था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रिंसिपल जी एन. झा के प्रेरणादायक भाषण से हुई। जिसमें उन्होंने वैज्ञानिक उन्नति और इसके समाज पर प्रभाव के महत्व को बताया, साथ ही उन्होंने छात्रों को विज्ञान के प्रति उत्साह और नये-नये प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम खोजें मानवता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर छात्रों ने मॉडल जैसे स्मार्ट सिटी, वायुमंडल का लेयेर, इलेक्ट्रोलाइटिक सेल, प्रकाश संश्लेषण, रमण इफेक्ट आदि के द्वारा, पोस्टर मेकिंग तथा भाषण एवं विज्ञान प्रश्नोत्तरी के द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अपने ज्ञान को साझा किया। इस प्रतियोगिता में वर्ग 6 ठी से 9 वीं तक के छात्रों तेजस्वी, स्तुति, मो अबुजर, फैजान, जानवी, अबू हरीश, अभिजीत, हंशिका, बाज्धा, यशराज अभिनव, आर्यन गौतम, अनुभव, फराज, उकबा समीन, खुश नसीबा, नूर सबा, वंशिका, प्रणव आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विज्ञान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस तरह राष्ट्रीय विज्ञान दिवस ने विद्यालय में उत्साह और नवीनता का संचार किया और छात्रों को विज्ञान के प्रति उनकी रुचि को और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विज्ञान शिक्षिका मंदिरा सील एवं संतोष कुमार सुमन के साथ साथ सभी शिक्षकगण एवं विधालय के समस्त कर्मी का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में विधालय के निदेशक इश्तेयाक अनवर एवं प्रबंध निदेशक मो राशिद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया

अल्पसंख्यकों के अधिकार और साम्प्रदायिकता पर रोक लगाने के लिए संघर्ष तेज करो : डॉ खुर्शीद खैर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बिहार के मेहनतकश वंचित किसान युवा महिलाएं अल्पसंख्यक आदिवासी मजदूर तथा समाज के सभी दबे-कुचले वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को और तेज करने हेतु यह न्याय यात्रा और जन समागम में सम्लित सभी जनसंगठनों की आवाज एवं बदलाव के लिए भाकपा माले के द्वारा आगामी 02 मार्च 2025 को गांधी मैदान में होने जा रहे महा जुटान (रैली) की तैयारी जोर-शोर से पूरे बिहार में चल रही है। इसी सिलसिले में शहर के वार्ड संख्या 14 अंतर्गत रामनगर में इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष डॉ खुर्शीद खैर के निवास स्थान पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें रैली की तैयारी और जनता को सुरक्षित ढंग से वारिसनगर प्रखंड समेत समस्तीपुर से सुरक्षित रैली स्थल गांधी मैदान पटना तक ले जाने पर विचार एवं तैयारी की समीक्षा की गई। मौके पर इंसाफ मंच एवं माले के कई महत्वपूर्ण नेताओं ने अपने - अपने विचार रखे। मौके पर खेग्रामस के राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला सचिव जीवछ पासवान, इंसाफ मंच के राज्य उपाध्यक्ष एवं समस्तीपुर जिला संयोजक डॉ खुर्शीद खैर समेत इंसाफ मंच के लीडर सगीर बद्र, मो.हासीम, राम चंद्र पासवान, मो मुन्ना, मो सुभान, आफताब अंसारी आदी ने अपने - अपने विचार रखे और अपने-अपने समर्थकों के साथ महा जुटान में भाग लेने का संकल्प दुहराया।

सेंट पॉल मॉडर्न स्कूल, बखरी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय) ' सेंट पॉल मॉडर्न स्कूल में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा तृतीय से दशम वर्ग तक के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया और कई उत्कृष्ट मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में मुख्य आकर्षण रहे रेन वाटर हार्वेस्टिंग श्रेय राज, कल्पना, स्नेहा राज, पोयम, स्तुति, पल्लवी वाटर क्लीनर बोट विकास, ओम, आर्यन, ईशांत हाइड्रोलिक ब्रिज (हर्ष कुमार, गुलशन कुमार वॉटर प्यूरीफायर मो० वकास, परी, निशा भारती न्यूक्लियर पावर प्लांट आस्था, सुधांशु राज, प्रेम जैसवाल इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों ने खूब सराहा। मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री महेश चंद्र, विशिष्ट अतिथि अंचलाधिकारी श्री राकेश कुमार चौधरी, डॉ० अर्जुन साह प्राचार्य, एमएस कॉलेज, अलौली श्री राज कुमार वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दिलीप केशरी, श्री आजाद राठौर पूर्व व्याख्याता श्री सतीश प्रसाद सिंह शिक्षक प्रतिनिधि सहित अन्य गणमान्य लोगों ने प्रदर्शनी की सराहना की और छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। स्कूल निदेशक दानेश्वर यादव ने छात्रों व शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां छात्रों की वैज्ञानिक सोच, नवाचार और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा देती हैं। प्राचार्य ओ० पी० चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मेहनत, जिज्ञासा और नवाचार की भावना के साथ छात्र अपने उज्जवल भविष्य के साथ देश-दुनिया की प्रगति में भी योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और छात्रों का अहम योगदान रहा। मंच संचालन शिक्षक राजेश कुमार ने किया। मौके पर उपस्थित शिक्षकगणः अजीत कुमार, सुनील कुमार, गिरीश झा, विवेक कुमार, मोहिनी रस्तोगी, गीतांजलि कुमारी, अल्पना कुमारी, गीतांजलि राय, अमरजीत कुमार, नेहा छेत्री, दीपक कुमार पाठक, चंद्रशेखर झा, नंदन शर्मा आदि।

आवास योजना और लोहिया स्वच्छ बिहार आभियान का किया गया प्रचार प्रसार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। उप विकास आयुक्त समस्तीपुर के आदेश पर एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी बिथान मो आफताब आलम के दिशा निर्देश पर प्रखंड समन्वयक के मार्ग दर्शन में सभी पंचायतों में स्वच्छता आभियान को पूरे जोड़ शोर से अपनाया जा रहा है, जिसमें सुबह सुबह घर घर से कचड़ा उठाव नली गली की साफ सफाई सड़क, मंदिरों स्कूलों एवं सड़कों पर झाड़ू लगाने का काम किया जा रहा है। साथ ही साथ आवास योजना तथा लोहिया स्वच्छ बिहार आभियान का प्रचार प्रसार लाउड स्पिकर ई रिक्शा तथा मंदिर में लगें लाउड स्पिकर के माध्यम से कराया जा रहा है।

पूर्व मुखिया एवं पत्रकार अपने समर्थकों समेत हुए कांग्रेस में शामिल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 28 फरवरी 2025
भागलपुर स्थित कहलगाँव विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले एकचारी ग्राम पंचायत के पूर्व मुखिया शिवदानी पटेल अपने समर्थकों के साथ आज कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गये। वे 2001 से वहाँ से मुखिया का चुनाव जीतते रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में पटेल एवं समर्थकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई एवं कहा कि आज के समय में इतने लम्बे समय तक कोई भी चुनाव जीतना बड़ी बात है। पटेल के कांग्रेस में आने से उस विधान सभा क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति मजबूत होगी। पटेल ने कहा कि वे शुरू से ही कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित रहे हैं और पार्टी की मजबूती के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।
इसके अलावा दिल्ली में पत्रकार रहे विराट गौरव सिंह ने भी कांग्रेस का दामन थाम लिया। विराट कांग्रेस परिवार से आते हैं। उनके दादा रमेश कुमार सिंह दशकों शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान पार्षद रहे थे।

राजेश राठौड़
चेयरमैन, मीडिया विभाग
बिहार कांग्रेस

दीप यज्ञ के साथ अष्टयाम का किया गया शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के बिथान प्रखंड के शिव हनुमान मंदिर कराची के प्रांगण में बुधवार के संध्या बेला में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री प्रज्ञा पीठ बिथान के सौजन्य से विराट दीप यज्ञ एवं शुक्रवार को विराट कलश शोभा यात्रा का कार्यक्रम दो दिवसीय अष्ट याम यज्ञ की सफलता के लिए कलश पूजन किया गया। इस यज्ञ में 321 कलश व्रती के द्वारा करेह नदी से जल भर कर पूजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला स्तरीय टीम गायत्री शक्ति पीठ चीनी मील परिसर युवा प्रकोष्ठ के प्रभारी सुबोध प्रसाद सिंह, युवा गायत्री एकता कुमारी, युवा वादक अंकित कुमार तथा गायत्री

प्रज्ञा पीठ बिथान के डाक्टर डी एन यादव शशी कुमार ने किया। दीप यज्ञ का व्रती डॉ गजेन्द्र प्रसाद, धर्म पत्नी विंदू देवी तथा अष्ट याम का मुख्य व्रती उप प्रमुख चन्द्रशेखर सिंह धर्म पत्नी सोभा देवी बने। इस कार्यक्रम में पंचायत में कार्यरत स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता कर्मी मुखिया सेवा निवृत शिक्षक तथा कई गणमान्य को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मनुष्य में देवत्व तथा धरती पर स्वर्ग का अवतरण होने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में मुखिया गजेन्द्र प्रसाद, सरपंच श्रवण कुमार, शिक्षक महेश पंडित, संजय कुमार वियोगी, समाजिक कार्यकर्ता योगेन्द्र कुमार, रोहित पंडित, छब्बू यादव, बिरजू पंडित, रामचन्द्र मुखिया, लक्ष्मी मुखिया, राम कृष्ण प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे।

समूह के सभी महिलाओं का कर्ज माफ हो- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिल्ली, झारखंड की सरकार महिलाओं को 2500 रुपए सहायता राशि दे सकती है तो बिहार सरकार क्यों नहीं–मो० एजाज

नुक्कड़ सभा कर 2 मार्च को पटना महाजुटान रैली में भाग लेने का किया आह्वान

पटना महाजुटान रैली में ताजपुर से होगी बड़ी भागीदारी –आसिफ होदा

2 मार्च को भाकपा माले द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने को लेकर प्रखंड क्षेत्र के भेरोखरा, आधारपुर आदि क्षेत्रों में शुक्रवार को नुक्कड़ सभा आयोजित कर लोगों से अपने हक-अधिकारों को लेकर बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की गई। सभा की अध्यक्षता मो० एजाज एवं संचालन प्रभात रंजन गुप्ता ने किया। आसिफ होदा, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, राजदेव प्रसाद सिंह, प्रमोद साह, अंतोष कुमार आदि ने सभा को संबोधित किया।

बतौर मुख्य वक्ता सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार में वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए करने, राशन के चावल-गेहूं के साथ दाल, तेल, चीनी आदि देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने, रसोई गैस की कीमत 5 सौ रुपए करने, सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, दिल्ली-झारखंड के तर्ज पर महिलाओं के खाता में 3-3 हजार रुपए देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, खाली पदों पर बहाली करने, प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में भाकपा-माले के बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाकपा-माले प्रखंड कमिटी सदस्य मो० एजाज ने समूह से जुड़े सभी महिलाओं का कर्ज.माफ करने की मांग की।

जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा आज दिनांक 28.02.25 को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा, विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 32 फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई की गई।

सभी आवेदकों की समस्या के समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गए। इनमें भूमि एवं राजस्व से संबंधित 15 आवेदन, गृह विभाग से संबंधित 4 आवेदन, पंचायतीराज से संबंधित 1 आवेदन, जिला भू अर्जन विभाग से संबंधित 2 आवेदन, सांख्यिकी विभाग से संबंधित 1 आवेदन, ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 3 आवेदन, शिक्षा विभाग से संबंधित 1 आवेदन, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित 2 आवेदन, कृषि विभाग से संबंधित 1 आवेदन, समाज कल्याण से संबंधित 2 आवेदन तथा अन्य विभागों से संबंधित अन्य आवेदन दिये गए।

सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों को इन आवेदनों के निष्पादन हेतु त्वरित कार्रवाई का निदेश दिया गया।

डोर स्टेप डिलीवरी में देरी पर विभाग को लिखा पत्र

हवेली खड़गपुर। अनुमंडल कार्यालय के सभागार में गुरुवार को अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन ने की। बैठक में समिति के सदस्यों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। सुधार की जरूरत पर पदाधिकारी से आग्रह किया। डोर स्टेप डिलीवरी के वाहन समय पर उपलब्ध नहीं होने पर विभाग को पत्र लिखा गया। एसडीओ राजीव रोशन ने गैस सिलेंडर विक्रेताओं को जरूरतमंदों को समय पर होम डिलीवरी करने का निर्देश दिया। बीपीएल लाभुकों को नया कनेक्शन देने और कालाबाजारी पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। एफसीआई गोदाम सहायक प्रबंधक को रोस्टर के अनुसार डीलरों को तय समय सीमा में डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। किसी भी लाभुक को कम अनाज देने पर पीडीएस विक्रेता पर कार्रवाई की बात कही। बैठक में इनामुल हक, पीजीआरओ शशि भूषण शशि, एएमओ जुली कुमारी, गोदाम प्रबंधन और गैस एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

वाहन मालिक कल तक अपडेट करें अपना मोबाइल नंबर, नहीं तो अब लगेगा जुमार्ना

बिहार। वाहन मालिक और चालक अपने वाहन से लिंक मोबाइल नंबर और पता एक मार्च तक अपडेट कर लें। ऐसा नहीं करने पर 2500 रुपए जुमार्ना लगेगा। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार अलबेला ने बताया कि वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और पता अपडेट रखना अनिवार्य कर दिया गया है। परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। डीटीओ ने बताया कि कई वाहन मालिकों और चालकों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से लिंक मोबाइल नंबर उपयोग में नहीं हैं। इससे दुर्घटना या अन्य घटनाओं में वाहन मालिक और चालक की पहचान में परेशानी होती है। यातायात उल्लंघन की स्थिति में ई-चालान भी संबंधित व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता है। डीटीओ ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 49 के तहत, यदि वाहन मालिक अपने रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र में दर्ज पता बदलते हैं, तो 30 दिनों के अंदर नए पते की सूचना सक्षम प्राधिकार को देनी होगी। ऐसा नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए आधार से लिंक नंबर देना अनिवार्य होगा। एमवीआई मो. जमीर आलम ने बताया कि वाहन मालिकों और चालकों को जल्द से जल्द मोबाइल नंबर अपडेट कर लेना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई होगी। संबंधित वाहन का रजिस्ट्रेशन और चालक का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। परिवहन विभाग ने हेल्प डेस्क नंबर 06122547212 जारी किया है। वाहन मालिक इस नंबर पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पर अपडेट किया जा सकता है।

96 पंचायतों में डंपिंग यार्ड, फिर भी सड़क के किनारे फेंक रहे हैं

बिहार। जिले में स्वच्छता अभियान के तहत 96 पंचायतों में कचरा डंपिंग यार्ड बनाए गए हैं। इसके बावजूद खुले में कचरा फेंका जा रहा है। कई जगहों पर कचरे में आग लगा दी जाती है। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है। सफाई कर्मी घरों से कचरा उठाकर एनएच किनारे या गांव की सड़कों पर फेंक देते हैं। इससे मवेशी कचरे को इधर-उधर फैला देते हैं। जब यह कचरा सड़ता है तो बदबू फैलती है। लोग नाक पर कपड़ा रखकर गुजरने को मजबूर हैं। खुले में कचरा फेंकना और जलाना दंडनीय अपराध है। फिर भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। एनएच-80 किनारे जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। गुरुवार को तेलिया तालाब से पूरबसराय की ओर जाने वाले मार्ग में बनौधा के समीप एनएच किनारे कूड़े के ढेर में आग लगा हुआ है और उसका दुर्गंध आस-पास में फैलते जा रहा है। वहीं वहां से कुछ दूर आगे बढ़ने पर पांच नंबर गुमटी तिनबटिया के समीप भी उसी तरह से कूड़े के ढेर में आग लगा कर छोड़ दिया गया था। ऐसी स्थिति अब जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी दिखने लगी है। मुंगेर, जमालपुर, हवेली खड़गपुर, तारापुर, संग्रामपुर, टेटिया बंबर और धरहरा समेत कई इलाकों में सफाई कर्मी घर-घर से कचरा उठाते हैं। लेकिन इसे डंपिंग यार्ड तक नहीं ले जाते। सड़क किनारे ही फेंक देते हैं। कई जगहों पर कचरे के ढेर में आग लगा दी जाती है। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों को बीमार कर रहा है। जिले के कई प्रखंडों में यह समस्या लगातार बनी हुई है।

अपहरण की साजिश में आरटीआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

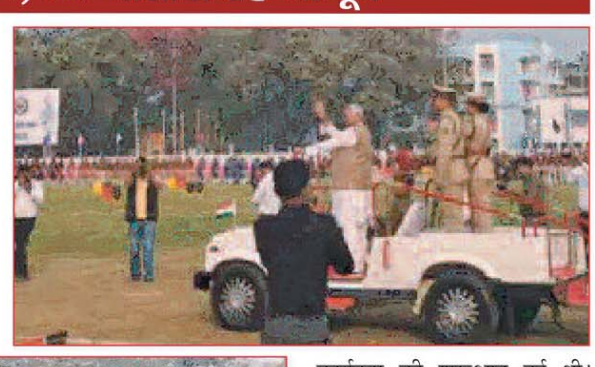

बिहार। तारापुर थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव निवासी आरटीआई कार्यकर्ता मो. नदीम अहमद को पुलिस ने बरामद कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया। नदीम अहमद के लापता होने की शिकायत उसके बेटे शाहीम अहमद ने हेमजापुर थाना में दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि 25 मई 2024 को उसके पिता सीसीए के तहत हाजिरी लगाने हेमजापुर थाना गए थे, जहां से उनका अपहरण कर लिया गया। इस शिकायत पर तारापुर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर आवेदन हेमजापुर थाना भेज दिया था। जांच में पता चला कि नदीम अहमद का अपहरण नहीं हुआ था। वह खुद कुछ लोगों को फंसाने के इरादे से फरार हुआ था। पुलिस ने जब उसके बेटे शाहीम अहमद से पूछताछ की तो उसने बताया कि पिता ने ही उसे आवेदन देने को कहा था। पुलिस ने कॉल डिटेल्स खंगाली तो मामला झूठा निकला। नदीम अहमद का गांव की एक युवती से अवैध संबंध था। युवती की शादी हो जाने से वह नाराज था। वह छिपकर लखनपुर पहुंचता और उसके दरवाजे पर निकाहनामा का पोस्टर चिपका कर भाग जाता। पोस्टर में खुद को उसका पति बताते हुए लिखा था कि अगर कोई उससे शादी करता है तो पहले तलाक लेना होगा। बीते मंगलवार की रात जब वह फिर से पोस्टर चिपका रहा था, तो युवती के घरवालों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची तारापुर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर हेमजापुर थाना पुलिस को सौंप दिया। अस्पताल से पकड़ा गया ^नदीम अहमद को पुलिस ने सदर अस्पताल से पकड़ा गया। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और न्यायालय में पेश किया। आगे की कार्रवाई जारी है।

बिटुमिन रोड तोड़कर निगम बना रहा पीसीसी सड़क, लोगों ने जताया विरोध

बिहार। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर में समर्पण हॉस्पिटल के नजदीक से लेकर राजकीय कन्या मध्य विद्यालय तक की कालीकरण सड़क को तोड़कर पीसीसी बनाया जा रहा है। माधोपुर मोहल्लेवासियों ने इस बात का आवेदन गुरुवार को जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह व नगर आयुक्त कुमार अभिषेक को दिया है। आवेदन में कहा गया है कि वार्ड संख्या-16 व वार्ड-17 अंतर्गत आने वाले मुख्य सड़क दशकों से कालीकरण है। इस मुख्य सड़क से बड़ी-बड़ी गाड़ियां पूरबसराय होते हुए मुंगेर बस अड्डे और मुख्य बाजार तक जाती है। रोजाना इस सड़क पर सैकड़ों की संख्या में आईटीसी फैक्ट्री व कारोबारियों के ट्रक व आमजन की छोटी-बड़ी गाड़ियां चलती है। नगर निगम प्रशासन जान बूझकर करीब 1 किलोमीटर की कालीकरण सड़क को 67 लाख की लागत से पीसीसी कार्य करा रही है। पीसीसी सड़क निर्माण कार्य के जरिए संवेदक लाखों रुपए का न्यारा-वारा करते हैं और पहले से अच्छी सड़क को पीसीसी के नाम पर घटिया सामाग्री का उपयोग कर सड़क को बर्बाद कर दी जाती है। इसलिए कालीकरण सड़क को कालीकरण के जरिए ही ठीक किया जाए। मोहल्लावासी उल्लास कुमार सिंह, मुकूल कुमार सिन्हा, कुमारी मीना, प्रेमनंदन प्रसाद, अमोल कुमार गुप्ता आदि करीब 50 लोगों ने आवेदन दिया है।

जेल से छूटकर आया महिला को मारी गोली

मुंगेर। के तारापुर थाना क्षेत्र के नवटोलिया गांव में घर में घुसकर एक महिला को गोली मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जिसकी पहचान स्थानीय निवासी पटुकी यादव की 42 र्षीय पत्नी बेबी देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि गोली उसके दाईं आंख के पास लगी, जो उसके सिर में फंसी रह गई। घटना के बाद परिजनों ने उसे अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर पहुंचाया। जहां से उसे मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी पर तारापुर पुलिस अनुमंडलीय अस्पताल तारापुर पहुंचकर पीड़िता के परिजनों से संपर्क स्थापित कर घटना की जानकारी एकत्र कर रही है। साथ ही गोली चलाने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। पिता के अवैध-संबंध को लेकर हुआ था विवाद तारापुर डीएसपी सिंधु शेखर ने बताया कि नवटोलिया गांव में पप्पू यादव के पुत्र अभिनंदन यादव ने 42 वर्षीय महिला रूबी देवी को दांये आंख में गोली मारकर घायल कर दिया। जहां से महिला को बेहतर इलाज के लिए भागलपुर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया की आरोपी के पिता पप्पू यादव का घायल महिला के साथ अवैध-संबंध था, जिसको लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद होते रहता था। वही एक मामले में आरोपी अभिनंदन कुमार जेल गया था और जेल से छूट कर घर आने के बाद महिला को गोली मारी है।

महाशिवरात्रि पर लखनपुर में भव्य जागरण, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

बिहार। महाशिवरात्रि की रात लखनपुर गांव में भव्य जागरण हुआ। ग्रामीणों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ इसमें भाग लिया। आयोजन गांव वासियों ने समारोह पूर्वक किया। इसमें सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी और राजनीतिक कार्यकर्ता ई. रोहित चौधरी ने फीता काटकर किया। उनके नेतृत्व में श्रद्धालु शिवभक्तों ने भक्ति भाव से जागरण में हिस्सा लिया। भगवान शिव की आराधना की। संगीत ने जागरण में विशेष भूमिका निभाई। स्थानीय कलाकारों ने अपने सुरों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। गायक सुमन जी और रमेश कुमार ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिव भजनों की गूंज से समूचा गांव गूंज उठा। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में लीन रहे। इस मौके पर सुमन चौधरी, पवन चौधरी, समाजसेवी कुणाल चौधरी, जुगल मंडल, राजधानी मंडल, आनंदी चौधरी, कपिल सिंह, सुभाष सिंह, बलराम चौधरी मौजूद रहे।

पानी टैंकलोरी से दबकर बाईक सवार छात्र की मौत, नाराज लोगों ने किया सड़क जाम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में लेनिन चौक वासुदेवपुर एक्सप्रेस हाईवे पर चल रहे कार्य में पानी टैंकलोरी से दबकर वासुदेवपुर शिवनन्दनपुर के समीप एक बाईक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान वासुदेवपुर वार्ड संख्या 02 निवासी रमेश शर्मा के 20 वर्षीय पुत्र अंशुमान कुमार के रूप में हुई है। मृत युवक ने इस बार मैट्रिक का परीक्षा दिया था। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के बीच रो रोकर बुरा हाल बना हुआ था। शुक्रवार की दोपहर बाद शिवनन्दनपुर ओर वासुदेवपुर सीमांन के बांध के पश्चिम दिशा में किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान नदी से पानी लेकर लौट रहे टैंकर के पीछे के चका से दबने से जख्मी हो गया। फिर टैंकर के चालक के द्वारा बैक करने के दौरान दोबारा उसे कुचल दिया। जिसे घटना स्थल पर मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही सिक्स लाइन के विभिन्न गाड़ियों के चालक गाड़ी छोड़कर भागने में सफल रहा। फिर स्थानीय लोग किसी काम से जा रहा था, जो दुर्घटना का शिकार हो गया। मृतक की बाइक पूर्ण रूपेण क्षतिग्रस्त हो गई। आक्रोशित लोगों ने मुआवजा की माग व दोषी चालक पर कार्रवाई करने को लेकर समस्तीपुर - दरभंगा मुख्य सड़क को लेनिन चौक के समीप जाम कर दिया। सड़क जाम को लेकर सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। जाम की सूचना मिलते सरदर डीएसपी टू विजय कुमार महतो, अंचलाधिकारी शशि रंजन कुमार, थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, अपर थानाध्यक्ष दीपक कुमार झा सहित सभी पुलिस बल पहुंच गये। मृतक के परिजन से वार्ता कर मामले को शांत किया गया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, नाराज लोगों ने जाम समाप्त किया उसके बाद यातायात बहाल हो सका।

उत्कृष्ट कार्य के लिए कई पुलिस कर्मियों को मिले पदक

पुलिस सप्ताह का समापन, CM नीतीश रहे मौजूद

बिहार। पुलिस सप्ताह 22 फरवरी से शुरू हुआ था जिसका समापन आज 27 फरवरी को हो गया। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहे। साथ ही बिहार के कई बड़े अधिकारी और पुलिस के कई बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। यह सप्ताह आज के समय की सबसे बड़ी समस्या साइबर अपराध और इससे सुरक्षा पर रखा गया था। समारोह का कार्यक्रम बीएमपी 5 के मिथिला स्टेडियम में मनाया गया। यहां परेड का भी आयोजन हुआ। आखिरी दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सम्मिलित हुए। बिहार में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंच पर आते ही,

उन्हें सलामी दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के साथ डीजीपी विनय कुमार और परेड की अगुआई कर रही एसडीपीओ पटना सदर 1 दीक्षा मौजूद रही। परेड का सह नेतृत्व ट्रेनी डीएसपी पल्लवी कुमारी कर रही थी। कुछ पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। इस परेड में बिहार के अलग-अलग विंग के 8 टुकड़ियों ने परेड में हिस्सा लिया। इसमें महिला कमांडो की भी एक टुकड़ी ने हिस्सा लिया। इसी परिसर में बने इंडोर स्टेडियम और जिम का उद्घाटन भी किया गया। 22 फरवरी को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में कहा था कि सरदार पटेल भवन पुलिस मुख्यालय की तारीफ किए बिना नहीं जाता है। यह भवन पटना में बनने वाला सबसे पहला भूकंप रोधी बिल्डिंग है। इस मौके पर बिहार मुख्य सचिव समेत बिहार डीजीपी समेत पुलिस के तमाम बड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। बिहार पुलिस फोर्स की बढ़ी संख्या मुख्य सचिव ने बताया था कि 2005 में बिहार के पास कुल 40 से 45 हजार फोर्स थी, वहीं आज की स्थित काफी अलग है। आज के समय में बिहार में पुलिस के 2.29 लाख पद सृजित हैं। 2005 की बात करें तो बिहार पुलिस के पास मात्र 1000 गाड़ियां थी, लेकिन आज के समय में बिहार पुलिस के पास 11000 हजार गाड़ियां है।

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षा में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।
- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1 : 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

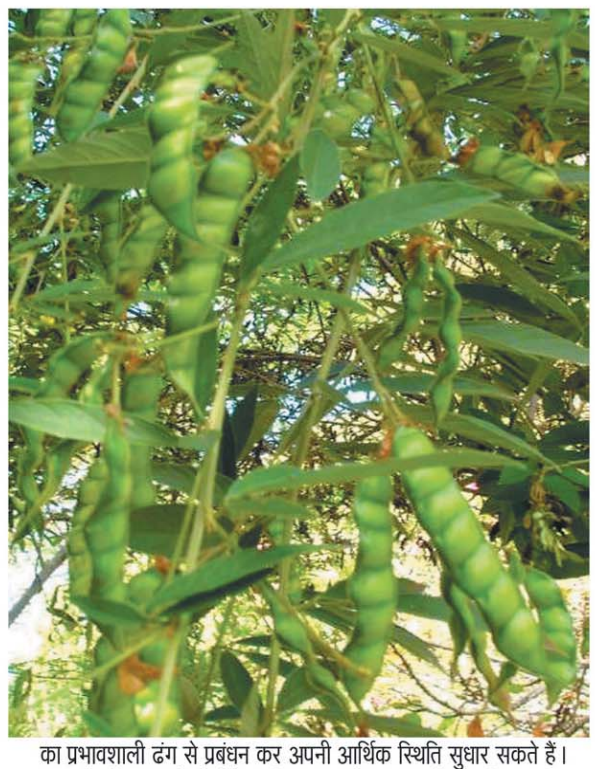

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पतियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

1 मार्च से उत्तर भारत के 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत करेगी आइकिया

मुंबई ।

स्वीडन की होम फर्निशिंग रिटेलर आइकिया अब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में प्रवेश करने को तैयार है। कंपनी 1 मार्च से दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आगरा, प्रयागराज, अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना और वाराणसी सहित 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत कर रही है। इन इलाकों के ग्राहक आइकिया एप, कंपनी की वेबसाइट तथा फोन के जरिए उपलब्ध खरीद सहायता का उपयोग करके कंपनी के 7000 से अधिक प्रोडक्ट्स को देख और खरीद सकते है। आइकिया वर्तमान में भारत के पांच बाजारों में मौजूद है। कंपनी के

हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरु में 3 बड़े-फॉर्मेट वाले स्टोर और वर्ली में एक सिटी स्टोर है। आइकिया इंडिया की सीईओ और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सुजैन पल्वरर ने कहा, हैदराबाद में अपना पहला स्टोर खोलने के बाद से हमें उत्तर भारत से निरंतर अच्छा रिस्पांस मिल रहा था। हमारे बी2बी चैनलों के माध्यम से इन शहरों से सैकड़ों ऑर्डर आ रहे हैं, हमें लगातार ऑनलाइन सर्च किया जा रहा है, एप डाउनलोड किए जा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। हमारी भारत की कहानी में यह एक खाली जगह थी। हम आइकिया को उत्तर भारत में लांच करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर और अन्य मार्केट्स में यह लांच हमारे भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत नींव साबित होगा। पुल्वरर ने कहा कि चाहे वह कई पीढ़ियों का रहन-सहन हो, कम खर्च में रहन-सहन हो, बच्चों की परवरिश हो या छोटी जगहों का बेहतर इस्तेमाल हो, भारतीय घरों की खास जरूरतों की हमारी गहरी समझ के साथ हमारा लक्ष्य उत्तर भारत में उपयोगी समाधान लाना है। इससे हम इन समाधानों और उत्पादों की हमारी विस्तृत श्रृंखला को तमाम लोगों तक पहुंचा पाएंगे। हम जल्द ही इस क्षेत्र में अपने स्टोर खोलने के करीब पहुंच रहे हैं।

सोना 85 हजार के नीचे आया, चांदी 93 के करीब, सोना खरीदने का यही सही समय

मुंबई।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार का गिरावट दर्ज की गई। सोना 85 हजार के नीचे आ गया, जबकि चांदी के भाव भी 93,200 के करीब कारोबार कर रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का अप्रैल वायदा 297 की गिरावट के साथ 84,899 पर खुला। खबर लिखे जाने तक सोना 84,880 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। आज दिन में सोने ने 84,912 का उच्चतम और 84,846 का न्यूनतम स्तर को छुआ। इस महीने सोने ने 86,592 का अब तक का उच्चतम स्तर छू लिया था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मार्च वायदा चांदी 406 की गिरावट के साथ 93,229 पर खुली। ट्रेडिंग के दौरान यह 93,229 के उच्चतम और न्यूनतम स्तर तक ही सीमित रही। पिछले साल चांदी ने 1,00,081 प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। कोमेक्स पर सोना 2,889 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 2,895.90 डॉलर प्रति औंस से कम था। 2,885.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। अगर आप सोना-चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो यह सही समय हो सकता है। हालांकि, आगे कीमतों में और गिरावट या उछाल आ सकता है, इसलिए निवेश करने से पहले बाजार पर नजर बनाए रखें।

कोलकाता के बाद चेन्नई में खुला उड़ान यात्री कैफे, 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा

देश के दूसरे अन्य एयरपोर्ट पर भी कैफे खोलने की तैयारी

नई दिल्ली ।

एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री खाने का मन नहीं बनाते हैं। लेकिन मोदी सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सके हैं। इसी कड़ी में एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरु हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरुआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी इसतरह का कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खुला है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोलकाता एयरपोर्ट की 100वीं वर्षगांठ पर यात्रियों को देश के पहले उड़ान यात्री कैफे का गिफ्ट दिया था। कोलकाता एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में यात्री उड़ान कैफे खोला गया है। इसमें चाय, कॉफी, स्नैक्स और पानी जैसी चीजें सस्ती कीमत पर बेची जा रही है। इस योजना का मकसद हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है, क्योंकि भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए मिलेगा एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन

मुंबई ।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन मिलेगा। इसके लिए फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप करने की घोषणा की है।

यूजर्स अपनी लोकल भाषा में इस फीचर के जरिए रियल टाइम इन्फॉर्मेशन और फाइनेंशियल इनसाइट्स एक्सेस कर सकेंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स की फाइनेंशियल लिट्रेसी बढ़ेगी। यूजर्स बैंकिंग, निवेश, खर्च से जुड़े विषयों की जानकारी आसानी से पा सकेंगे। इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़े डिसीजन लेने में मदद मिलेगी। वहीं पेरप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कहा कि यह तकनीक लोगों को रियल-टाइम में भरोसेमंद जानकारी देने में मदद करेगी। आईआईटी ग्रेजुएट ने 2022 में बनाया परप्लेक्सिटी परप्लेक्सिटी यूएस बेस्ड एआई सर्च इंजन स्टार्टअप कंपनी है। आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएट अरविंद श्रीनिवास ने 2022 में परप्लेक्सिटी को बनाया था। अरविंद श्रीनिवास ओपन एआई में एआई रिसर्चर के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

गूगल सर्च के कॉम्पिटिटर परप्लेक्सिटी ने हाल ही में 500 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। इससे पहले कंपनी ट्रिपएडवाइजर के साथ भी इसी तरह का टाइअप कर चुकी है।

पेटीएम को एफवाय25क्यू3 में रुपए 208 करोड़ का लॉस पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36 प्रतिशत गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, क्यू3एफवाय24 में यह 2,850 करोड़ रुपए था।

शेयर बाजार के लिए काल साबित हुए ये कारण....9 माह के निचले स्तर पर आया निफ्टी

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार 28 फरवरी को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स 1100 अंकों से अधिक क्रैश होकर 73,469.11 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी-50 भी 350 अंकों का गोता लगाकार 22,188.50 के स्तर पर आ गया। गिरावट इतनी तेज थी 30 मिनट के अंदर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू करीब 6.1 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इसके साथ निफ्टी अब अपने 9 महीने के निचले स्तर पर आ गया है। फरवरी में अब तक निफ्टी 5 प्रतिशत तक गिर चुका है। इसके साथ ही निफ्टी अब 29 सालों में पहली बार लगातार 5वें महीने गिरावट के साथ बंद होता हुआ दिख रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह हैं कि आज बाजार के टूटने का कारण क्या था। हम आपकों इस खबर में उन कारणों के बारे में बताने जा रहे है।

बाजार के टूटने का प्रमुख कारण ट्रेड वार की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 4 मार्च से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। जबकि इसके पहले उन्होंने टैरिफ को 2 अप्रैल से लागू करने का संकेत दिया था। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भी 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, जिससे ग्लोबल ट्रेड वार छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। बाजार जानकार बताते हैं कि शेयर बाजार अनिश्चितता को पसंद नहीं करते हैं, और जब से ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, तब से अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों का शेयर बाजार पर असर पड़ रहा है। साथ ही चीन पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ की नई घोषणा से शेयर बाजार के इस नजरिए की पुष्टि हो रही है कि ट्रंप अपने नए कार्यकाल में टैरिफ का इस्तेमाल देशों का धमकाने और फिर अमेरिका के अनुकूल समझौते करने के लिए करने वाले है। उन्होंने कहा, मार्च में इकोनॉमी से जुड़ी अच्छी खबरों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की रफ्तार धीमी होने के चलते शेयर बाजार में एक रिकवरी देखने को मिल सकती है। लंबी अवधि के निवेशक बाजार में कमजोरी का फायदा उठाकर धीरे-धीरे वाजिब भाव पर कारोबार कर रहे क्वालिटी लार्जकैप शेयरों को जमा कर सकते हैं।

2. एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी

एशियाई शेयरों में कमजोरी ने भी शुक्रवार को निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर डाला। हांगकांग के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट के साथ ही पिछले 6-हफ्तों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया। ट्रंप का चीनी सामानों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले के बाद वहां जमकर मुनाफावसूली देखने को मिली। हांगकांग के बेंचमार्क हैंग सेंग में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। जापानी शेयरों में विदेशी निवेशकों की ओर से करीब 5 महीनों की सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली। यह कुल 1.04 ट्रिलियन येन की निकासी थी। जापानी येन में मजबूती, बढ़ती मंहगाई से जुड़ी चिंताएं और ट्रंप की टैरिफ नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं के चलते एफआईआईएस ने बिकवाली की।

3. एआई सेक्टर की ग्रोथ पर संदेह बढ़ना

एआई चिप्स इंडस्ट्री की सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों ने भी बाजार में भूचाल लाने में अहम भूमिका निभाई। एनवीडिया के शेयर रातों रात 8.5 फीसदी तक गिर गए। कंपनी ने ग्रॉस मार्जिन के मोर्चे पर खासतौर से उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन किया। हालांकि एनवीडिया ने अपनी ग्रोथ को लेकर मजबूत अनुमान जताए हैं, लेकिन यह निवेशकों के मनोबल को उठा पाने में नाकाम रहा।

4. अमेरिकी इकोनॉमी में मंदी की आशंका

अमेरिका में साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में उम्मीद से अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस आंकड़े से दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी में सुस्ती की चिंता को बढ़ दिया है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों के चलते पहले ही वह महंगाई दर में बढ़ोतरी का अनुमान जताया चा चुका है। इसकारण आईटी शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं जिससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फरवरी के अंतिम दिन शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। देश के सभी चार महानगरों की बात करें तो उसमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में प्रैट्रोल 94.72 वहीं डीजल 87.62 रुपये पर बना हुआ है। वहीं मुम्बई में प्रैट्रोल 103.44 और डीजल 89.97 रुपये जबकि कोलकाता में प्रैट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 पर है। चेन्नई में प्रैट्रोल 100.85 व डीजल 92.44 वहीं बेंगलुरु में प्रैट्रोल 102.86 और डीजल 88.94 पर है। लखनऊ में प्रैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 पर हैं। वहीं लखनऊ में प्रैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 जबकि नोएडा में ये 94.87 व 88.01 पर हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 और डीज 88.05 पर है। चंडीगढ़ में इसकी कीमत 94.24 व 82.40 रुपये हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तकरीबन एक साल मार्च 2024 के बाद से ही बदलाव नहीं हुआ है। बाजार जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में अभी कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं।

भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। वहीं, फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ हिस्सेदारी करने का ऐलान किया है, जिससे यूजर्स को ऐप पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन की सुविधा मिलेगी। भारत ने एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए अब तक 13 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कड़ी में यूके के साथ होने वाला नया समझौता भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजारों में ज्यादा पहुंच प्रदान करेगा। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं पर लगने वाले शुल्कों में छूट मिलेगी, जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप किया है, जिससे अब पेटीएम पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च उपलब्ध होगा। यह फीचर यूजर्स को लोकल भाषा में जानकारी और फाइनेंशियल इनसाइट्स प्रदान करेगा। पेटीएम का यह कदम डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक क्षेत्र में एक नई तकनीकी क्रांति ला सकता है।

पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 में दो नए कलर पिक्स ब्रॉन्ज और स्मोक सिल्वर शामिल किए हैं। बाइक स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन और मीडिया कंट्रोल के साथ 4-इंच टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स से लैस है। बाइक अब 6 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। रोडस्टर बाइक तीन वैरिएंट- एनालॉग, डैश और फ्लैश में आती है और इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट में 2.54 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक जाती है। नए कलर के साथ बाइक की बुकिंग लॉन्च के साथ ही शुरू हो चुकी है और इनकी डिलीवरी 10 मार्च 2025 से मिलेगी। भारत में इसका मुकाबला ट्रायम्फ 400, हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 और होंडा सीबी300आर से है। नई गुरिल्ला 450 में 452सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर शेरपा इंजन दिया गया है, जो 8,000आरपीएम पर 40 एचपी की पावर और 5,500आरपीएम पर 40एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को असिस्ट और स्लिप क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। बाइक में दो राइड मोड- परफॉरमेंस और इको मिलते हैं। रॉयल एनफील्ड ने बेहतर लो-एंड टॉर्क देने के लिए इंजन को फिर से ट्यून किया है। कंपनी का दावा है कि 3000आपीएम से शुरू होने वाले टॉर्क का 85 प्रतिशत से अधिक अवेलेबल है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, मचा हाहाकर

- बैंकों के डिपॉजिट को लेकर लोगों की चिंता बढ़ी

मुंबई । शेयर बाजार आज सुबह भारी गिरावट के साथ खुले। देखते ही देखते बाजार में बिकवाली के कारण मुंबई स्टॉक एक्सचेंज सुबह 11 बजे 973 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 330 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। शेयर बाजार मे निफ्टी 50 में 291 अंकों की गिरावट देखने को मिली। जिसके कारण शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है। देसी और विदेशी निवेशक भारी बिकवाली कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह के समाचार प्राप्त हो रहे हैं। उसको लेकर सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय बाजार में देखने को मिल रही है। डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट तथा सरकार द्वारा आर्थिक नीतियों को लेकर मौन साध रखा है। उसके कारण शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 73000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 माह में लगभग 14000 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। पिछले 5 महीने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से देसी निवेशकों का हौसला भी टूट गया है। कर्ज के कारण अमेरिका ने अपने खर्चों में भारी कटौती करना शुरू कर दी है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार भी आने वाले महीनो में अपने खर्चों में भारी कटौती करेगी। भारत की लोक लुभावन योजनाएं जल्द ही बंद या काम हो सकती हैं। इसका असर शेयर बाजार पर देखने को मिलेगा। जिस तरह के हालात भारतीय अर्थव्यवस्था मे देखने को मिल रहे हैं। उससे बाजार में घबराहट मची हुई है। भारत में केंद्र सरकार राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं के ऊपर भारी कर्ज है। इस स्थिति को देखते हुए निवेशक अपनी पूंजी निकाल कर शेयर बाजार से बाहर निकलना चाहते हैं। भारत के वित्तीय संस्थान भी इस समय शेयर बाजार से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड एवं अन्य सरकारी वित्तीय संस्थान शेयर बाजार की गिरावट से निवेश करने से बच रहे हैं। शेयर बाजार की बिकवाली को देखते हुए वित्तीय संस्थाओं का मानना है। इस समय जो भी पैसा शेयर बाजार में निवेश किया जाएगा। वह बाजार से बाहर चला जाएगा। वित्तीय संस्थाओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत इन दोनों सबसे ज्यादा पतली है। शेयर बाजार के अर्थ विशेषज्ञों का कहना है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार को हवा भर के (जिस तरह से फुग्गा फुलाया जाता है) भारतीय शेयर बाजार को फुलाया गया था। शेयर बाजार का यह फुग्गा अब फूट रहा है। तेजी के साथ हवा निकल रही है। ऐसी स्थिति में छोटे बड़े सभी देशी विदेशी निवेशक शेयर बाजार से भाग रहे हैं। जिसके हाथ में जो लग रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार से निकलना चाहता है। यह स्थिति भारतीय शेयर बाजार के अस्तित्व को बनाए रखने मे सबसे बड़ी चुनौती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरु किया उत्पादन

नई दिल्ली ।

हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने नए प्लांट में मारुति सुजुकी इंडिया ने उत्पादन शुरू कर दिया है। हरियाणा के इस प्लांट में ब्रेजा एसयूवी बनाई जाएगी। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस प्लांट की नींव रखी थी। कंपनी भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी ध्यान दे रही है। वह भारत से ज्यादा गाड़ियां निर्यात भी करना चाहती है। मारुति सुजुकी इंडिया का खरखौदा प्लांट काफी अहम है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट की आधारशिला अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली रखी थी। इस प्लांट से शुरुआत में 2.5 लाख गाड़ियां हर साल बनाई जाएंगी। इस नए प्लांट के शुरू होने से मारुति सुजुकी कारों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 26 लाख यूनिट सालाना हो गई है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन भी शामिल है, जो मारुति सुजुकी की ही एक सहायक कंपनी है। यह कदम कंपनी की भारत केंद्रित रणनीति का हिस्सा है। बता दें कि मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन जापान ने हाल ही में अपनी नई रणनीति की घोषणा की है।

इसका मुख्य कारण भारत में कंपनी का घटता मार्केट शेयर और बढ़ता हुआ ईवी सेगमेंट है। कंपनी भारत में 50 फीसदी मार्केट शेयर हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह सालाना 40 लाख गाड़ियां बनाने की क्षमता तैयार करना चाहती है। कंपनी भारत को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में भी इस्तेमाल करना चाहती है। 2025-30 के लिए अपनी नई योजना में सुजुकी मोटर ने भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है।

कंपनी ई-विटारा के साथ अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी फिलहाल भारत से हर साल 3 लाख गाड़ियां निर्यात करती है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस दशक के अंत तक यह संख्या बढ़कर 7.5 से 8 लाख यूनिट हो जाए। इसके लिए सुजुकी मोटर ने उत्पादन, नए मॉडल और क्वॉलिटी इम्प्रूवमेंट के लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।

मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने वाले 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में करीब 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह कदम कंपनी की आंतरिक जांच के बाद उठाया गया, जिसमें पाया गया कि कुछ कर्मचारियों ने घोषित न किए गए प्रोडक्ट प्लान और इंटरनल बैठकों की जानकारी बाहर साझा की थी। मेटा लंबे समय से कंपनी की आंतरिक जानकारी लीक करने के खिलाफ सख्त नीति अपना रही है।

सीईटो मार्क जुकरबर्ग और सीटीओ एंड्रयू बोसवर्थ ने भी नाराजगी जताई है। बोसवर्थ ने कहा कि जानकारी लीक करने वालों को पकड़ने की क्षमताएं लगातार बेहतर हो रही हैं।

मेटा के प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में एक जांच की है जिसके बाद करीब 20 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आने वाले समय में और भी कार्रवाई हो सकती है। पिछले कुछ महीनों में मेटा की इंटरनल जानकारी लीक होने की घटनाएं बढ़ीं। सीईओ मार्क जुकरबर्ग की इंटरनल बैठकों से जुड़ी डिटेल्स मीडिया में लीक हो गईं। ऑल-हैंड्स बैठक की जानकारी सार्वजनिक हो गई, जिससे कंपनी नाराज थी। कई अनाउंस न किए गए प्रोडक्ट और अपकमिंग फीचर्स की जानकारी बाहर आ चुकी थी।

मेटा ने साफ कर दिया है कि वह कंपनी की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाएगा और जो भी कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई होगी।

अब एनएफओ से जुटाई रकम 30 दिन में करनी होगी निवेश

एएमसी के लिए सेबी ने बनाए नए नियम, 1 अप्रैल से होंगे लागू

मुंबई। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लिए नए नियम जारी किए हैं। अब न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए जुटाई गई रकम को 30 दिनों में निवेश करना अनिवार्य होगा। एएमसी को नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को 30 दिनों में निवेश करना होगा। यदि एएमसी तय समय में निवेश नहीं कर पाती है, तो उसे अपनी इन्वेस्टमेंट कमेटी को लिखित में कारण देना होगा। इन्वेस्टमेंट कमेटी कारणों की जांच कर सकती है और अतिरिक्त 30 दिन का समय दे सकती है। सेबी ने 27 फरवरी यानी गुरुवार को इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया है। नया नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। अगर 60 दिनों में फंड निवेश नहीं किया जाता, तो उस एनएफओ में नए निवेश पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। निवेशकों को बिना किसी चार्ज के पैसा वापस लेने की अनुमति होगी। निवेशकों का पैसा फंसेगा नहीं और फंड हाउस पर दबाव बढ़ेगा। निवेशकों को पारदर्शिता मिलेगी। एएमसी को अपनी निवेश रणनीति को सटीक बनाना होगा।

तस्वीर की सियासत बनाम सियासत की तस्वीर ?

निर्मल रानी

दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया।

देश सरकारी कार्यालयों में प्रायः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र लगाये जाते हैं। जबकि राज्यों में इनके साथ मुख्यमंत्री व राजयपाल के चित्र भी लगाये जाते हैं। इस व्यवस्था को प्रोटोकॉल अथवा शिष्टाचार / नवाचार कहा जाता है। शीर्ष पदों पर बैठे लोग समय समय पर अपनी सुविधानुसार या किसी पूर्वाग्रह के चलते स्वेच्छा से इसमें बदलाव भी करते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर आपको झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यालय में मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे मुख्य रूप से केवल उनके पिता शिबू सुरेन का ही चित्र लगा मिलेगा। जाहिर है वे उन्हें ही अपना आदर्श नेता मानते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र से आकार में भी बड़ा तथा बिल्कुल मध्य में गुरु गोरखनाथ का चित्र लगाया गया है। अनेक मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में उनकी अपनी पसंद के आधार पर चित्र लगाये गए हैं।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगाने के निर्देश जारी किये थे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया था कि दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों में किसी अन्य नेता की तस्वीरें प्रदर्शित नहीं की जायें। तब से लेकर पिछले दिनों दिल्ली की सत्ता बदलने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के अधिकांश कार्यालयों में महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति की तस्वीर हटाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगा दिए गये थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी के ठीक पीछे बाबासाहेब और भगत सिंह के चित्र लगाये थे जो उनके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री काल में भी लगे रहे।

परन्तु जिस दिन दिल्ली में 27 साल का वनवास खत्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तस्वीर हटाने पर कहा कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व ऐसी पार्टी कर रही है, जो दलित और सिख विरोधी है। भाजपा ने अपना दलित विरोधी रुख दिखाते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह के चित्र हटा दिए हैं।' परन्तु तस्वीरों पर सियासत करने वाली आप भी ऐसे सवालों से बच नहीं सकती। आम आदमी पार्टी नेताओं को भी यह बताना पड़ेगा कि उन्होंने अपने कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की फोटो क्यों हटाई थी? यदि मान लिया जाये की नरेंद्र मोदी उनके घोर विरोधी नेता हैं परन्तु वे देश के प्रधानमंत्री भी हैं। मान लीजिये कि राजनैतिक पूर्वाग्रह के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र नहीं लगाया परन्तु उन्होंने आखिर राष्ट्रपति का चित्र क्यों नहीं लगाया गया?

जहाँ तक सवाल है तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मात्र चित्र लगाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह को सम्मान दिये जाने का, तो यदि अरविंद केजरीवाल के वक्तव्यों पर नजर डालें तो केजरीवाल की बातें तो इन नेताओं के मूल विचारों के बिल्कुल विरुद्ध हैं। मिसाल के तौर पर अरविंद केजरीवाल ने 27 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र के माध्यम से यह मांग की थी कि भारतीय नोटों पर गांधी जी के साथ-साथ लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर भी छपे। उनका कहना था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। क्या केजरीवाल का यह सुझाव बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों के विचार सम्मत है? किसी का चित्र लगाने का अर्थ आखिर क्या होता है? केवल उस महापुरुष के समर्थकों या उनके समुदाय को खुश करना या उनके आदर्शों को मानना व उनपर चलना? बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के जीवन की कौन सी शिक्षा है जिसने केजरीवाल को इस बात के लिये प्रेरित किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को उपरोक्त सलाह दे डाली। वह भी स्वयं एक शिक्षित व राजस्व सेवाओं के अधिकारी होने के बावजूद। हद तो यह है कि प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखते समय केजरीवाल ने यह भी लिहा था कि यह देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छा है कि भारतीय करेंसी पर एक ओर महात्मा गांधी व दूसरी ओर लक्ष्मी-गणेश जी की तस्वीर भी लगाई जाए। केजरीवाल ने 130 करोड़ लोगों का प्रतिनिधि होने के नाते नहीं बल्कि सही मायने में देश के बहुसंख्य समाज को वरगलाने के लिये ही तस्वीर की सियासत यह शगूफा छोड़ा था।

इसी तरह विधान सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व दिसंबर 2024 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐसी ही चुनावी फुलझड़ी छोड़ते हुये यह घोषणा कर डाली कि आम आदमी पार्टी के चुनाव जीतने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। केजरीवाल ने इसे पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना का नाम दिया। इस घोषणा की आलोचना करते हुये भाजपा ने उसी समय यह जवाब दिया था कि चुनावी हिंदू केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले हैं और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। यहाँ भी यही सवाल है कि क्या पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों की सोच के अनुरूप थी जिनके चित्र उन्होंने अपने कुर्सी के पीछे लगा रखे थे?

भाजपा भी इसी तरह गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उनपर खास अवसरों पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपने आदर व सम्मान का दिखावा तो जरूर करती है परन्तु हकीकत में वह भी दिखावा मात्र ही है। अन्यथा घोर हिंदुत्ववादी राजनीति का गांधी व बाबासाहेब आंबेडकर व भगत सिंह जैसे महान देशभक्त मानवतावादी नेताओं से क्या लेना देना? यह तो धर्म और राजनीति के ऐसे घालमेल को ही विध्वंसक मानते थे। कहना गलत नहीं होगा की इसी तस्वीर की सियासत ने ही देश की सियासत की तस्वीर को बदनुमा कर डाला है जिसकी भरपाई महात्मा गांधी व बाबासाहेब , व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उन की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नहीं बल्कि केवल सच्चे मन से उनके बताये हुये रास्तों व उनके आदर्शों पर चलकर ही की जा सकती है?

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अधिकार क्षेत्र की बात

दोषी करार दिए गए नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाली याचिका का केंद्र सरकार ने विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सरकार ने कहा आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र का कहना है, याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह विधान को फिर से लिखने या संसद को विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने सरीखा है। दागी नेताओं के बचाव में मोदी सरकार यूं ही नहीं नजर आ रही। उसके 39 फीसद मंत्री भी दागी हैं। 2009 की लोक सभा में केवल 30 फीसद दागी नेता थे, जबकि 2024 में यह बढ़कर 46 फीसद हो चुका है। 251 सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें भी 27 सांसदों को अदालतों द्वारा दोषी करार दिया जा चुका है। केरल, तेलंगाना, ओड़िसा के 95, 82, 76 फीसद दागी हैं तो झारखंड, बिहार व बंगाल के 71, 53, 52 फीसद दागी सांसद हैं। उप्र, हिमाचल व महाराष्ट्र के आधे यानी 50 फीसद सांसद दोषी हैं। बहरहाल, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा8(1) के तहत अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारीख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल है। शीर्ष अदालत के समक्ष आने वाले दोषी नेताओं के मसलों पर हमेशा यह सवाल खड़ा होता है। पारदर्शिता, भ्रष्टाचार मुक्ति व पक्षपात के खिलाफ बढ़-चढ़कर बोलने वाली मोदी सरकार दागियों को पार्टी में शामिल करने, उन्हें टिकट देने और मंत्री बनाने में तनिक हिचकती नहीं नजर आती। गंभीर मामलों के दोषियों को माननीय का चोला ओढ़ाने में सरकार की भूमिका स्पष्ट है। देश भर के राजनीतिक दलों का यही हाल है। यही कारण है, इस गंभीर बात पर कोई चीख-चिल्लाहट नहीं मचती। राजनीति में स्वच्छ छवि वालों का टोटा होता जा रहा है। हालांकि सिर्फ राजनीतिक कीचड़. उछालने के लिए छद्म आरोपों का भी कम इस्तेमाल नहीं किया जाता है। मगर त्वरित आरोपों को सुलझाने की व्यवस्था भी की जा सकती है। कानून बनाने वाले सम्मानियों का दोषमुक्त नजर आना बेहद जरूरी है। लोकतंत्र का अर्थ यह कदापि नहीं होना चाहिए कि सजायाफ्ताओं को देशवासी सम्मान देने को मजबूर हों। संसद का अधिकार क्षेत्र सर्वोपरि है मगर सांसदों के चरित्र और दोषमुक्त होने के प्रति जवाबदेही राजनीतिक दलों की होनी चाहिए।

सूक्ति

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है

– डब्ल्यू बी. बीट्स

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है

– धीरूभाई अंबानी

चिंतन-मनन

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-ह्यहमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

शून्य भेदभाव दिवसः शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है ह्यहम एक साथ खड़े हैंह्ण इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर ह्यप्लेगह्ण से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ह्यकरो या मरोह्ण का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरूआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

ईवीएमः विवाद का निपटारा हो जाना चाहिए

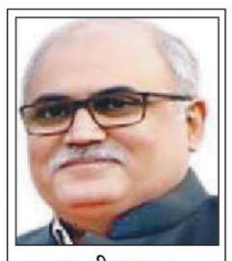

रजनीश कपूर

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों एक बयान देकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'चुनाव के लिए सबसे सुरक्षित माध्यम बैलट पेपर ही है।' ट्रंप ने टेक्नोलॉजी दिग्गज एलन मस्क के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि मस्क का भी यही मानना है कि 'कंप्यूटर वोटिंग के लिए नहीं है।' ट्रंप के बैलेट पेपर के समर्थन के बयान पर भारत में करीब सभी विपक्षी दलों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कांग्रेस लंबे समय से बैलेट पेपर की वापसी की मांग कर रही है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल लगातार ईवीएम से चुनाव में हेरफेर का आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति के बयान ने तो आग में घी डालने का काम किया है।

जब भी कभी देश में चुनाव होते हैं तो ईवीएम फिर से चर्चा में जरूर आती है। चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं होगा यह तो नतीजों के बाद ही पता चलता है। परंतु बीते कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि इलाक्रेकी जनता की नाराजगी के बावजूद वहां के मौजूदा विधायक या सांसद ने पिछले चुनावों के मुकाबले काफी अधिक संख्या से जीत हासिल की। ऐसे में चुनावी मशीनरी पर सवाल खड़े होना जाहिर सी बात है। जो भी नेता हारता है वो ईवीएम या चुनावी मशीनरी को दोषी ठहराता है। ऐसा नहीं है कि किसी एक दल के नेता ही ईवीएम की गड़बड़ी या उससे छेड़-छाड़ का आरोप लगाते आए हैं। इस बात के अनेकों उदाहरण हैं जहां हर प्रमुख दलों के नेताओं ने कई चुनावों के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग की बात करें तो वो इन आरोपों का शुरू से ही खंडन कर रहा है। आयोग के अनुसार ईवीएम में गड़बड़ी की कोई गुंजाइश ही नहीं है। 1998 में दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधान सभा की कुछ सीटों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ थाङ्क परंतु 2004 के आम चुनाव में पहली बार हर संसदीय क्षेत्र में ईवीएम का पूरी तरह से इस्तेमाल हुआ। 2009 के चुनावी नतीजों के बाद इसमें गड़बड़ी का आरोप भाजपा द्वारा लगा। गौरतलब है कि दुनिया के 31 देशों में ईवीएम का इस्तेमाल हुआ परंतु खास बात यह है कि अधिकतर देशों ने इसमें गड़बड़ी कि शिकायत के बाद वापस बैलट पेपर के जरिये ही चुनाव किए जाने लगे। किसी भी समस्या की शिकायत करने से उसका हल नहीं खोजा जाता, मगर जब शिकायत के साथ समाधान का सुझाव भी दिया जाए तो उस पर गौर करना चाहिए। 2023 में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने विधान सभा चुनाव में ईवीएम की गड़बड़ी पर आरोप लगाए और उन्हें रोकने के लिए सुझाव भी दिया। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग को सुझाव दिया कि यदि ईवीएम से निकलने वाली पर्ची को मतदाता को दे दिया जाए और इन पर्चियों को अलग से रखी मतपेटी में डाल दिया जाए। तो न सिर्फ मतदाता को इस बात की संतुष्टि हो जाएगी कि उसके द्वार चुने गए उम्मीदवार को ही उसका वोट मिला। मशीनों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं हुई। इसके साथ ही मतगणना के पहले ऐसी किसी भी दस पेटियों के वोट गिन लिए जाएं और बाद में उनका मिलान काउंटिंग यूनिट के साथ कर लिया जाए। यदि नतीजे मेल खाते हैं तो काउंटिंग यूनिट के नतीजे को घोषित कर दिया जाए। सिंह के इस सुझाव पर सोशल मीडिया पर हजारों प्रतिक्रियाएं आई और अधिकतर लोगों ने इस सुझाव को व्यावहारिक माना है। जब भी कभी कोई प्रतियोगिता होती है तो उसका संचालन करने वाले शक के घेरे में न आएं इसलिए उस प्रतियोगिता के हर कृत्य को सार्वजनिक रूप से किया जाता है। आयोजक इस बात पर खास ध्यान देते हैं कि उन पर पक्षपात का आरोप न लगे। इसीलिए जब भी कभी आयोजकों को कोई सुझाव दिए जाते हैं तो यदि वे उन्हें सही लगें तो उसे स्वीकार लेते हैं।

ऐसे में उन पर पक्षपात का आरोप नहीं लगता। ठीक उसी तरह एक स्वस्थ लोकतंत्र में होने वाली सबसे बड़ी प्रतियोगिता चुनाव हैं। उसके आयोजक यानी चुनाव आयोग को उन सभी सुझावों को खुले दिमाग से और निष्पक्षता से लेना चाहिए। चुनाव आयोग एक संविधानिक संस्था है, इसे किसी भी दल या सरकार के प्रति पक्षपात होता दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि चुनाव आयोग ऐसे सुझावों को जनहित में लेती है तो मतदाताओं के बीच भी एक सही संदेश जाएगा, कि चाहे ईवीएम पर गड़बड़ियों के आरोप लगें पर चुनाव आयोग किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करता। जहां तक ईवीएम पर एक बार फिर से खड़े हुए विवाद की बात है तो सभी राजनैतिक दलों को इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए। सभी दलों को एकजुट हो कर अमेरिकी राष्ट्रपति के ताजा बयान के चलते चुनाव आयोग के पास एक प्रस्ताव लेकर जाना चाहिए और विधान सभा चुनाव में ईवीएम के बजाय बैलट पेपर से चुनाव की मांग करनी चाहिए। यदि यह संभव न हो और चुनाव आयोग को ईवीएम की गुणवत्ता और उसकी कार्य पद्धति पर पूरा विभास है तो उसे दिग्विजय सिंह के सुझाव पर एक प्रयोग करा लेना चाहिए। इससे भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र को और मजबूती भी मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

हेराफेरी 3 से भी कटा कार्तिक का पत्ता, प्रियदर्शन पहली बार करेंगे किसी सीक्वल का निर्देशन

हिंदी सिनेमा की कॉमेडी फिल्मों में 'हेराफेरी' का अलग ही फैन बेस है। इसमें परेश रावल के निभाए किरदार बाबूराव गणपतराव आप्टे पर जितने मीम्स बने हैं, उतने शायद ही हिंदी सिनेमा के किसी दूसरे किरदार पर बने हों। अगले महीने इस फिल्म की रिलीज के 25 साल पूरे होने जा रहे हैं और इस दिन फिल्म 'हेराफेरी 3' को लेकर भी एक बड़ा एलान होने जा रहा है। इस फ्रेंचाइजी की साल 2006 में रिलीज सीक्वल 'फिर हेराफेरी' को नीरज वोरा ने निर्देशित किया था। अब प्रियदर्शन इसकी तीसरी कड़ी निर्देशित करने जा रहे हैं और ये पहली बार होगा जब प्रियदर्शन अपनी ही किसी फिल्म की कोई सीक्वल निर्देशित करेंगे। फिल्म में एक अहम किरदार कार्तिक आर्यन का भी था, और फिल्म में बाबूराव का किरदार करने वाले परेश रावल ने बाकायदा इसकी सोशल मीडिया पर पुष्टि भी की थी, लेकिन अब कार्तिक आर्यन इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। परेश के मुताबिक, फिल्म 'हेराफेरी 3' जब निर्देशक फरहाद सामजी के साथ बन रही थी तो उसमें कार्तिक आर्यन को एक नए किरदार के रूप मे लाया जाना था। किस्सा कुछ यूं बना था कि कुछ लोग उसे राजू समझकर पकड़ लाते हैं। फिर फरहाद सामजी की फिल्म से छुट्टी हुई और प्रियदर्शन आ गए तो फिल्म की कहानी भी बदल गई। फिल्म 'हेराफेरी 3' पहले नीरज वोरा ही निर्देशित कर रहे थे तब फिल्म में अक्षय, परेश रावल और सुनील शेट्टी तीनों थे। लेकिन, जब अक्षय और परेश ने ये फिल्म करने से मना किया तो नीरज वोरा फिल्म में जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और नाना पाटेकर को ले आए थे, लेकिन नीरज के आकस्मिक निधन के बाद से फिल्म लटकी रही।

निर्देशक इंद्र कुमार व अनीस बज्मी के नाम भी फिल्म से जुड़े पर इस साल जाकर ये तय हुआ है कि फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ही करेंगे और फिल्म अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ ही बनेगी। फिल्म 'हेराफेरी' 25 साल पहले रिलीज हुई थी और इसकी सिल्वर जुबली अगले महीने होली के ठीक बाद मनाने की तैयारी है, उसी दिन फिल्म 'हेराफेरी 3' को लेकर एक बड़ा एलान भी होने वाला है।

सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल जीत चुकी हैं उर्वशी रौतेला, मॉडलिंग ने खोला अभिनय का रास्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने अभिनय से ज्यादा अपने ग्लैमर और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। उर्वशी अपना 31वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री अपने बेहतरीन स्टाइल से समय-समय पर फैशन गोल्स भी देती रहती हैं। उनकी हर एक तस्वीर सोशल मीडिया पर छाई रहती है। हाल ही में अभिनेत्री डाकू महाराज में नजर आई थीं, जिसमें अपने डांस नंबर से अभिनेत्री ने लोगों को दीवाना बना दिया। उर्वशी रौतेला अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में तो बनी ही रहती हैं, लेकिन इसके साथ ही वह अपने फैशन सेंस और पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा बटोरती हैं। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनसे जुड़ी खास बातें।

बॉलीवुड से साउथ तक छाईं उर्वशी

25 फरवरी, 1994 को उत्तराखंड में जन्मीं उर्वशी रौतेला अपने परिवार से पहली शख्सियत हैं, जिन्होंने अभिनय की दुनिया और मॉडलिंग के ग्लैमर वर्ल्ड में किस्मत आजमाई। अपनी खूबसूरती और काबिलियत के बल पर देश से लेकर विदेशों तक में अपनी पहचान बनाने वाली उर्वशी रौतेला का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं रहा है। उर्वशी के पिता मानव सिंह बिजनेसमैन हैं। उनकी मां मीरा संस्कृति से कुमाऊंनी और एक सफल उद्यमी हैं। वह एक लग्जरी ब्यूटी सैलून की मालिक हैं।

नेशनल लेवल की बास्केटबॉल प्लेयर रह चुकी हैं उर्वशी

उर्वशी रौतेला अपनी खूबसूरती और कमाल की फिटनेस के लिए तो जानी जाती हैं, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि असल जिंदगी में वह राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। अभिनेत्री ने बास्केटबॉल के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर अपने राज्य उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया है।

पांच डांस फॉर्म में माहिर हैं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला अभिनय के साथ ही बेहतरीन डांसर भी हैं। उनके कातिलाना डांस मूव्स के पीछे की वजह यह है कि वह एक ट्रेंड डांसर हैं। उर्वशी पांच तरह के डांस फॉर्म्स भरतनाट्यम, कथक, जैज, हिप-हॉप और बेली डांस में माहिर हैं। इसके बाद उर्वशी ने अभिनय में भी अपनी किस्मत आजमाई और उन्होंने अपनी काबिलियत के दम पर बॉलीवुड में अच्छा-खासा मुकाम हासिल किया है। साथ ही अब वह साउथ इंडस्ट्री में भी पैर जमा रही हैं।

सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल अपने नाम कर चुकी हैं उर्वशी

उर्वशी रौतेला की खूबसूरती के तो सभी कायल हैं। बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने से पहले उर्वशी दो बड़े खिताब को अपने नाम कर चुकी हैं। वह पहली महिला हैं, जिन्होंने 2012 और 2015 में दो मिस यूनिवर्स इंडिया का ताज जीता। इसके अलावा साल 2018 में भी उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सरकार और पर्यटन द्वारा ब्रह्मांड में सबसे कम उम्र की सबसे खूबसूरत महिला के रूप में सम्मानित किया गया था। उर्वशी रौतेला सबसे ज्यादा ब्यूटी टाइटल अपने नाम करने वाली महिला में शुमार हैं।

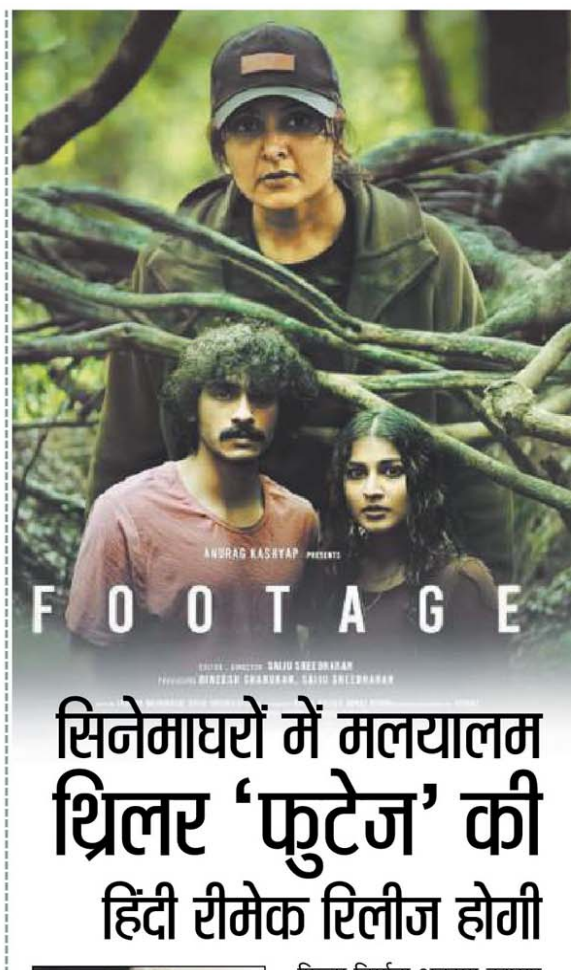

सिनेमाघरों में मलयालम थ्रिलर 'फुटेज' की हिंदी रीमेक रिलीज होगी

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप मलयालम थ्रिलर फुटेज का हिंदी वर्जन पेश करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में मंजू वारियर मुख्य भूमिका में हैं। कश्यप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को जानकारी दी। अनुराग कश्यप ने कहा, मैंने 'फुटेज' का मलयालम संस्करण देखा और यह मेरे दिमाग में बस गया। यह फिल्म पिछले साल केरल में रिलीज हुई थी और इसे काफी सराहना मिली थी। अब इसे पूरे देश के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म सैजू श्रीधरन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। श्रीधरन को महेशिंते प्रतिकारम और कुंबलंगी नाइट्स जैसी सफल फिल्मों के लिए जाना जाता है। अनुराग कश्यप ने कहा, मलयालम सिनेमा के युवा फिल्म निर्माताओं को नए अंदाज और तकनीक से कहानियां कहते हुए देखना रोमांचक है। वे रूढ़ियों को तोड़ रहे हैं और नई चीजों को करने की कोशिश कर रहे हैं। इस फिल्म में मंजू वारियर के अलावा विशाक नायर और गायत्री अशोक भी नजर आएंगी। कहानी एक यूट्यूब व्लॉगिंग कपल की है, जो कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अपने एक हेल्पर की खोज के लिए निकलते हैं। उनकी खोज उन्हें एक अलग द्वीप और एक रोमांचक सफर पर ले जाती है। मंजू वारियर ने कहा, फाउंड-फुटेज फॉर्मेट ने इस फिल्म को खास बना दिया। पूरी कहानी पात्रों को वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए बताई गई, जिससे यह बेहद रोमांचक अनुभव बन गया। फिल्म के हिंदी संस्करण को फिलप फिल्म्स, सिनेपॉलिस के साथ साझेदारी में रिलीज करेगी। अनुराग कश्यप हाल ही में टाइगर्स पॉन्ड फिल्म से भी जुड़े, जो इस साल बर्लिनले फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने वाली पहली कन्नड़ फिल्म बनी। निर्देशक सैजू श्रीधरन ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि अनुराग कश्यप और सिनेपॉलिस हमारी फिल्म को हिंदी दर्शकों तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। गायत्री अशोक ने कहा कि अनुराग कश्यप के समर्थन से यह फिल्म तकनीकी और सौंदर्य की दृष्टि से शानदार साबित होगी, जबकि विशाक नायर ने इसे पूरी टीम की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया। फिल्म 7 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कभी जान्हवी ने उड़ाया था हिमेश रेशमिया का मजाक, सिंगर ने अब किया रिएक्ट

हिमेश रेशमिया की किस्मत के सितारे इन दिनों बुलंदी पर हैं। फिल्म बैडएस रवि कुमार की सफलता को एंजॉय कर रहे हिमेश ने ऐसा भी वक्त देखा है, जब उन्हें खूब ट्रोल किया गया। उनकी आलोचनाएं हुईं और मजाक उड़ाया गया। खुद के बारे में कही गई बातों पर हाल ही में हिमेश ने प्रतिक्रिया दी और बताया कि वे इनसे कैसे निपटते हैं? कुछ वक्त पहले अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सारा अली खान के साथ कॉफी विद करण में शिरकत की थी। इस दौरान जान्हवी ने कहा था कि उन्हें हिमेश के फीड पर जाना और बैकग्राउंड में तंदूरी नाइट्स के साथ उन्हें वर्कआउट करते देखना अच्छा लगता है। उन्होंने उनकी नकल भी की थी। जान्हवी ने हंसते हुए कहा था, यह दुनिया की सबसे अच्छी चीज है। मुझे यह पसंद है।

बहुत पहले छोड़ देता काम करना

हिमेश रेशमिया ने कहा, अगर मुझ पर लोगों की बातों का असर पड़ा होता तो मैं बहुत पहले ही यहां काम करना बंद कर देता। अगर मुझे खुद पर जरा भी शक होता, तो मैं यहां नहीं होता। आपको वही करना चाहिए जो आप कर सकते हैं। भगवान से प्रार्थना करें और अपने रास्ते में आने वाले प्यार को स्वीकार करें। उन्होंने आगे कहा, अक्षय कुमार हमेशा कहते हैं कि हमारे पास ये सभी फॉर्मूले हैं, किसी और की बात सुनो और फिर उसमें सुधार करो। अगर उनके पास एक निश्चित नजरिया है, तो उस पर काम करों और साबित करो।

नजरिए का फर्क है

हिमेश ने आगे कहा, आज मैंने बैडएस रवि कुमार के साथ अपनी मेहनत का फल देखा है। मुझे जो 6 दिखता है, आपको 9 दिखता है, यह नजरिए का फर्क है। किसी की आलोचना का बुरा नहीं मानना चाहिए। जब आशिक बनाया आया, तो बहुत ट्रोलिंग हुई, लेकिन वही लोग क्लबों में नाच रहे थे।

पुष्पा 2 के बाद एक नई फिल्म शुरू कर रहे अल्लू

साउथ सुपरस्टार अल्लू कलाकारों की कास्टिंग शुरू कर अर्जुन पुष्पा दे दी है। उन्होंने फिल्म में अहम रूल की सफलता के बाद अब अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। हैदराबाद में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जोरों पर है और फिल्म को लेकर एक नया और दिलचस्प अपडेट सामने आया है। निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने फिल्म के लिए भूमिकाओं के लिए कई एक्टर्स से संपर्क किया है। हालांकि, अभी तक इन कलाकारों के नाम या उनके किरदारों का खुलासा नहीं किया गया है। इसकी आधिकारिक पुष्टि निर्देशक की ओर से आनी बाकी है। पुष्पा 2 की तरह, यह भी एक पैन इंडिया फिल्म होगी। निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास ने फिल्म के लिए कलाकारों की कास्टिंग शुरू कर दी है।

गो गोवा गॉन के सीक्वल का निर्देशन करेंगे कुणाल खेमू

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कई चीजों पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म के निर्देशन को लेकर भी अपनी इच्छा जाहिर की। एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह फिल्म गो गोआ गॉन का सीक्वल जरूर निर्देशित करना चाहेंगे।

इस फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में थे। कुणाल खेमू ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। हम हैं राही प्यार के और राजा हिंदुस्तानी जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम करने के बाद वह बतौर लीड एक्टर कलयुग में नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने गो गोआ गॉन, ढोल, गोलमाल 3 और गोलमाल अगेन जैसी कॉमेडी फिल्मों से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई।

गो गोवा गॉन के सीक्वल का करना चाहते हैं निर्देशन

पिछले साल कुणाल ने डायरेक्टर के रूप में अपनी शुरुआत मडगांव एक्सप्रेस नाम की फिल्म से की थी। इस फिल्म में प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी और दिव्येंदु मुख्य भूमिका में थे। बातचीत के दौरान कुणाल ने कहा, मैंने गो गोआ गॉन में सैफ अली खान के साथ काम किया था और मुझे वह अनुभव बहुत पसंद आया था। अगर मुझे मौका मिला तो मैं इसका सीक्वल जरूर बनाऊंगा। साथ ही, मैं अपनी सास शर्मिला टैगोर के साथ भी फिल्म में काम करना चाहूंगा।

फिल्म के दूसरे भाग को लेकर कही ये बात

गो गोआ गॉन के सीक्वल के बारे में बात करते हुए कुणाल ने कहा, सीक्वल बनाना बहुत डरावना होता है, क्योंकि पहले लोग बिना किसी उम्मीद के आते हैं, लेकिन जब उन्हें फिल्म पसंद आती है तो वे सीक्वल के लिए उम्मीदें लेकर आते हैं। इसलिए हम पहले से ही यह सोचते हैं कि दर्शक क्या सोचेंगे। हालांकि, यह भी बहुत रोमांचक भी होता है, क्योंकि अब हमें दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरना होता है। गो गोआ गॉन 2 की घोषणा साल 2018 में की गई थी, लेकिन कुछ वजहों से यह फिल्म अब तक नहीं बन सकी है।

नेहा मलिक ने फैंस को दिया सरप्राइज लॉन्च कर रही हैं पर्सनल एप

अभिनेत्री और मॉडल नेहा मलिक अपना पर्सनल एप लॉन्च करने जा रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी है। नेहा ने लिखा है, मेरे उन सभी फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज, जो मुझसे सीधे कनेक्ट होना चाहते हैं। नेहा ने लिखा है, मैं अपना पर्सनल एप लॉन्च कर रही हूं। इसके अलावा नेहा ने ईशा गुप्ता के साथ भी तस्वीरें शेयर की हैं और बताया है कि नए वीडियो में दोनों साथ नजर आएंगी। फैंस दोनों को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं, फिलहाल ईशा, हनी सिंह के गाने मैनियक में नजर आ रही हैं।

इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी और इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। पहले ही सेमीफाइनल से बाहर होने के कारण उस

पर किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव भी नहीं रहेगा। उसकी कमजोर कड़ी ये है कि रूट को छेड़कर कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी पर उसके बाद भी अन्य बल्लेबाज लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले मैच में उसके गेंदबाज

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक बड़े लक्ष्य का बचाव भी नहीं कर पाये।

चैम्पियंस ट्रॉफी मेरे करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा: डुसेन

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि कहा है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनके करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। डूसने ने ये बात शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाल आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कही है। डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि या तो में नहीं खेलूंगा या प्रबंधन मुझे नहीं शामिल करेगा। इस क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा लक्ष्य रहा है।

डूसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा अपनी टीम के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि टीम के लिए नहीं खेलने की संभावना समाप्त हो जाएगी या नहीं हालांकि, मुझमें लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। इस खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी और मैथ्यू ब्रीट्ज़के की जमकर प्रशंसा की । उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं।

रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है।

रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

हर्ष दुबे ने रचा इतिहास, रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (88 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन ने विदर्भ ने शुक्रवार को केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में तीसरे दिन पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल कर ली। हर्ष इसके साथ ही रणजी इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे।

इस युवा वामहस्त स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटका कर 2018-19 में बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। केरल के कप्तान सचिन बेबी (98) दो रन से शतक से चूक गये जबकि अनुभवी आदित्य सरवटे ने 185 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेली लेकिन विदर्भ के गेंदबाजों ने धैर्य बनाये रखते हुए केरल की पहली पारी को 342 रन पर समेट दिया।

विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। सरवटे दिन के पहले सत्र में आउट हुए जबकि सलमान निजार (21) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (34) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। दुबे के साथ दर्शन नालकंडे (52 रन पर तीन विकेट) और पार्थ रेखाडे (65 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन-तीन विकेट

लिए। हर्ष ने सरवटे को पहली स्लिप में कैच करा कर रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अपना 67वां विकेट हासिल किया।

इसके बाद उन्होंने लंच से ठीक पहले निजार को पगबाधा आउट करके बिहार के आशुतोष अमन के एक सत्र में सर्वाधिक 68 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्हें हालांकि अपने तीसरे विकेट के लिए काफी पसीना बहना पड़ा। उन्होंने एमडी निधीश (एक) को पगबाधा कर रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सरवटे ने अपना बल्ला फ्रंटफुट के पास रख रक्षात्मक रवैया अपनाया लेकिन हर्ष की गेंद अतिरिक्त उछाल ली और स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक अमन मोखड़े ने आसान कैच पकड़ लिया।

सरवटे ने 185 गेंद की पारी में चौथे विकेट के लिए कप्तान के साथ 63 रन जोड़े। सचिन बेबी ने इसके बाद निजार के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 रन और अजहरुद्दीन के साथ छठे विकेट के लिए 59 रन साझेदारी की लेकिन उनका प्रयास टीम को पहली पारी में बढ़त दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। निजार ने अपनी 42 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये। उन्हें हर्ष की गेंद पर पगबाधा दिया गया। केरल के खिलाड़ियों ने हालांकि इस फैसले पर निराशा जताई।

निजार ने हर्ष की ऑफस्टंप की बाहर टप्पा खाने वाली गेंद को छेड़ने के लिए बल्ला ऊपर उठा दिया लेकिन गेंद अधिक घुमाव के साथ उनके पैर से टकरा गया। मैदानी अंपायर अनिल चौधरी ने शॉट न खेलने के कारण बल्लेबाज को पगबाधा घोषित कर दिया। निजार ने डीआरएस लिया लेकिन रीप्ले में भी गेंद विकेटों से टकरते दिखी। अजहरुद्दीन फ्लिक करने का प्रयास किया नलकंडे की गेंद पर पगबाधा हुए।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्य बनेंगे : बेयर्ड

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी आईसीसी मैच रेफरी हैं पर वह अपना पद चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बून मार्च के अंत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सीए के निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह शामिल किया जाएगा। इसी को लेकर सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड कहा, ''बून एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने लंबे अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे जिससे उसे आगे ले जाने में सहायता मिलेग।''

उन्होंने कहा, ''बून ने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बारे में काफी जानकारी हासिल की है और ये ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि बून साल 2011 से ह ही आईसीसी मैच रेफरी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 टेस्ट और 181 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 13,386 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। वह 1987 में विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। बून चयनसमिति में भी शामिल रहे हैं।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

बदतमीजी मेरे से... वसीम अकरम ने माना- पाक टीम का कोच बनने पर झेलनी पड़ती है जिल्लत

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वसीम अकरम का मानना है पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच बनना किसी चुनौती से कम नहीं है। अकरम को अक्सर क्रिकेट शो के दौरान पाकिस्तानी टीम की खामियों पर बात करते हुए देखा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कई फैंस उन्हें कोच बनने का ऑफर भी करते रहे हैं, लेकिन वसीम हर बार गोलमोल जवाब देकर बात को टाल जाते थे। लेकिन इस बार वसीम अकरम ने इस पर खुलकर बात की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम शो में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए साफ तौर पर कहा कि वह प्रशंसकों द्वारा किए गए खराब व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जिसका सामना वकार यूनिस सहित उनके पूर्व साथियों ने अपने मुख्य कोच रहने के दौरान किया था। इसी कारण वह कभी पाकिस्तान का कोच बनने की नहीं सोचते।

वसीम अकरम ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो ऐसे बहुत सारे लोग है जो अभी भी बातों बातों में मेरी आलोचना करते हैं। कहते हैं कि इससे जितनी मर्जी बात करा लो खुद कुछ करता नहीं है। जब मैं वकार (यूनिस) सहित पाकिस्तानी कोचों को देखता हूं, जो कई बार कोच रह चुके हैं। और मैं उनके साथ हुआ हाल देखता हूं कि आप (क्रिकेटर) लोग किस तरह बदतमीजी करते हैं अपने कोचों से। यह बदतमीजी मेरे से बर्दाश्त नहीं होगी। वनडे में 500 विकेट लेने वाले अकरम ने कहा कि वह टीम के लिए जरूरत पड़ने पर मुफ्त में भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट की मदद करना चाहता हूं। आपको मुझे भुगतान क्यों करना होगा? मैं निःशुल्क उपलब्ध हूं। जब भी आप मुझे शिविर के लिए बुलाओगे, मैं आऊंगा। अगर आप मुझे किसी टूर्नामेंट में शामिल करेंगे तो मैं खिलाड़ियों के साथ समय बिताऊंगा। लेकिन मैं 58 साल का हूं। मेरा एक परिवार है, एक 10 साल की बेटी। मेरे दो लड़के हैं। मैं उनके साथ समय बिताना चाहता हूं। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, जब भी मेरे पास समय होता है, मैं बच्चों के लिए शिविर आयोजित करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहता हूं, यहां तक निःशुल्क भी। मैं चला जाऊंगा, पाकिस्तान टीम का कोई टूर्नामेंट आ रहा है, उनका कैंप लगता है, मैं आ जाऊंगा। ये मैं कर सकता हूं लेकिन ऐसी बेइज्जती नहीं करा सकता इस उमर में।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

डब्ल्यूपीएल : गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी

करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं। वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाय। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। गुजरात को इस सत्र में अपनी दूसरी जीत मिली है। इस प्रकार टीम चार अंक लेकर तालिका में 5वें नंबर पर है।

पाक सरकार टीम की हार के कारण पता लगाएगी : सनाउल्लाह

लाहौर ।आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम के बाहर होने से देश भर में निराशा और गुस्से का माहौल है। इसी को देखते हुए प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार, राणा सनाउल्लाह ने सरकार इस बार का पता लगायेगी कि टीम शुरुआत में ही कैसे बाहर हो गयी। सनाउल्लाह ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर ध्यान देंगे। इस मामले को संसद में भी उठाया जाएगा। सनाउल्लाह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एक स्वतंत्र निकाय है और अपने फैसले स्वयं ले सकता है, वह व्यक्तिगत रूप से प्रधान मंत्री शहबाज से इस मुद्दे को कैबिनेट और संसद में उठाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल चेयरमैन की नियुक्ति तक ही सीमित नहीं है। वहीं पीसीबी अधिकारियों के वेतन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को प्रति माह 5 मिलियन रुपये तक दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से अनजान हैं और उन्हें अपने कर्तव्यों को पूरा किए बिना ही पैसे दिये जा रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इस टूर्नामेंट के लिए हमने 12 से 14 अरब रुपए खर्च किए पर टीम अपमानजनक तरीके से बाहर हो गयी। मुझे इस बात का बहुत दुख है। हमारे देश में ही दुनिया क्रिकेट खेलेगी और हम केवल देखेंगे। साथ ही कहा कि जितना ध्यान स्टेडियम बनाने में लगाया उतना टीम पर लगाया होता तो ये हालत नहीं होती।

शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है : शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को लगता है कि शानदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है। यह युवा खिलाड़ी मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में है। गिल ने शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक के साथ की जबकि कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 रनों की पारी खेली। दो मैचों में 147 रन के साथ वह विराट कोहली (122 रन) से आगे हैं और भारत के शीर्ष स्कोरर हैं।

धवन ने कहा, 'मुझे शुभमन गिल की बल्लेबाजी बहुत पसंद है, यह बहुत ही उत्तम दर्जे की है और उनकी बल्लेबाजी में लालित्य है। और उनमें निरंतरता है; यह देखकर अच्छा लगता है कि उनमें इतना पेशेवरपन है। युवा लड़के हैं, वे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाना जानते हैं और लगातार रन बना रहे हैं। रोहित को युवाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है और वह अपने कई सालों के अनुभव को उनके साथ साझा करते होंगे। मुझे यकीन है कि वह उनकी पीठ थपथपाते होंगे और उन्हें बताते होंगे कि किसी भी परिस्थिति में कैसे खेलना है। ये छोटी-छोटी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी के बावजूद धवन ने कहा कि उनकी कमी खलेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि हर्षित राणा के लिए वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने का यह एक बड़ा मौका है। राणा ने टूर्नामेंट में अब तक चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह एक बहुत बड़ा नाम है, एक बहुत बड़ा गेंदबाज है। वह वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बेशक, उसकी मौजूदगी की बहुत कमी खल रही थी। कोई कुछ कहे या न कहे, मुझे 100त्न लगता है कि उसकी मौजूदगी बहुत महत्वपूर्ण है। हर्षित राणा के लिए यह एक बहुत अच्छा मंच है। उसके पास जुनून और आक्रामकता है, और मुझे उसका विकेट लेने का तरीका पसंद है। उसके लिए यह एक शानदार मौका है, रोहित और विराट का मार्गदर्शन भी है। उसे उनसे सीखना चाहिए और इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी कोर्ट से ट्रंप को सुप्रीम राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन को अन्य देशों के लिए अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता जारी करने के संबंध में मध्य रात्रि तक की समय सीमा दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि यू.एस. डिस्ट्रिक्ट जज आमिर एच. अली द्वारा जारी आदेश पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि उच्च न्यायालय इस पर पूरी तरह से विचार नहीं कर लेता। अली ने संघीय सरकार को विदेशी सहायता पर अस्थायी रोक लगाने के उनके फैसले का अनुपालन करने का आदेश दिया था। यह फैसला गैर-लाभकारी समूहों और व्यवसायों द्वारा दायर मुकदमे में सुनाया गया था। एक अपीली पैनल ने हस्तक्षेप करने के प्रशासन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

ताइवान ने की चीन की निंदा

ताइपे, एजेंसी। इस बीच ताइवान ने उसके दक्षिण-पश्चिम तट पर सैन्य अभ्यास के लिए बृहस्पतिवार को चीन की निंदा की। चीन ने स्व-शासित द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट पर गोलीबारी अभ्यास करने के लिए एक क्षेत्र निर्धारित किया है। चीन इस द्वीप को अपना प्रांत मानता है, जिसे जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक लिया जा सकता है और हाल के वर्षों में उसने ताइवान के जल एवं हवाई क्षेत्र के आसपास सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, चीन क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए सबसे बड़ा संकट है तथा ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए वह एकमात्र और सबसे बड़ा खतरा है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार : वेटिकन

रोम, एजेंसी। वेटिकन ने बुधवार को बताया कि डबल निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की सेहत में हल्का सुधार हुआ है, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि उनकी स्थिति अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं है। सीटी स्कैन में संक्रमण के उपचार की सामान्य प्रगति दिखी जबकि रक्त परीक्षणों से भी सुधार की पुष्टि हुई है। सीटी स्कैन मंगलवार को किया गया था। पोप की गुर्दे की समस्या अब कम हो गई है और उनकी सांस संबंधी फिजियोथेरेपी की जा रही है। यह पहली बार है जब वेटिकन ने पुष्टि की है कि पोप को फेफड़ों से द्रव निकालने में मदद के लिए फिजियोथेरेपी दी जा रही है। उन्होंने दोपहर में अपना काम फिर से शुरू किया।

सेना को एआई-क्लाउड बेचने पर माइक्रोसॉफ्ट में प्रदर्शन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली सेना को एआई व क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं देने के लिए हुए अनुबंधों के विरोध में माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों ने कंपनी के सीईओ सत्य नडेला की एक बैठक के दौरान प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह खुलासा हुआ था कि हाल में गाजा और लेबनान युद्ध के दौरान बमों से निशाना बनाने के लिए इस्राइल के सैन्य कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट के महत्वपूर्ण एआई मॉडलों और ओपनएआई का इस्तेमाल किया गया था। इसके विरोध में कर्मचारियों ने उस वक्त प्रदर्शन किया जब सीईओ नडेला एक बैठक में नए उत्पादों पर बात कर रहे थे। कर्मचारियों ने अपनी टी-शर्ट पर लिखा, 'क्या हमारे कोड ने बच्चों की जान ली।

टेक्सास में खसरे के प्रकोप से अमेरिका में पहली मौत हुई

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। यूएस के टेक्सास में खसरे के प्रकोप से पहली मौत हुई है। यह मामला एक स्कूली बच्चे का था, जिसे खसरे का टीका नहीं लगा था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के स्वास्थ्य विभाग (टीडीएसएचएस) ने बताया कि बच्चे को पिछले हफ्ते लब्बॉक के अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी जांच में खसरे की पुष्टि हुई। 25 फरवरी तक, टेक्सास के साउथ प्लेन्स इलाके में 124 लोगों में खसरे की पुष्टि हुई है। इनमें से ज्यादातर बच्चे हैं। टीडीएसएचएस के अनुसार, अब तक 18 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिनमें से 5 को पहले से टीका लगा था, जबकि बाकी को टीका नहीं लगा था या उनकी टीकाकरण स्थिति अज्ञात थी। खसरा एक संक्रामक बीमारी है, जो सांस के जरिए फैलती है। यह उन लोगों के लिए घातक हो सकती है, जिन्हें इस बीमारी से बचाव का टीका नहीं लगा है। बुधवार को एक बैठक के दौरान अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि टेक्सास में इस प्रकोप के कारण दो लोगों की मौत हुई है, हालांकि टेक्सास और न्यू मैक्सिको के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अब तक सिर्फ एक मौत की पुष्टि की है। साल 2024 में अमेरिका में अब तक 285 खसरे के मामले सामने आए हैं, जिनमें से लगभग आधे टेक्सास में दर्ज किए गए हैं। टेक्सास से सटे न्यू मैक्सिको के पूर्वी हिस्से में भी 9 नए मामले सामने आए हैं। यह प्रकोप अब तक 10 काउंटी में फैल चुका है। खसरे से बचाव का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है। टीडीएसएचएस के अनुसार, इस बीमारी से बचाने वाला टीका दो खुराक में लगाया जाता है, जिसे आमतौर पर एमएमआर (मीजल्स-मंप्स-रूबेला) वैक्सीन के रूप में दिया जाता है। दो खुराक लेने पर खसरे से 97प्रतिशत तक सुरक्षा मिलती है।

ट्रंप कैबिनेट की पहली मीटिंग में बोले एलॉन मस्क, मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रहीं...

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट की बुधवार को पहली मीटिंग हुई. इस बैठक में डीओजीई प्रमुख अरबपति कारोबारी एलॉन मस्क ने भी शिरकत की. इस बीच उन्होंने कैबिनेट को बताया कि उन्हें जान से मारने की ढेरों धमकियां मिल रही हैं. व्हाइट हाउस में जैसे ही कैबिनेट की बैठक शुरू हुई. ट्रंप ने मस्क से डीओजीई के कामकाज को लेकर सवाल किया. इस पर मस्क ने कहा कि वह विभाग में बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं. हमें बहुत सारा सरकारी पैसा बचाना है. डीओजीई की टीम इसी काम में लगी हुई है. हमारा उद्देश्य बेतहाशा सरकारी खर्चों पर लगाम लगाना ही है. अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका दिवालिया हो जाएगा. मस्क ने कहा कि राष्ट्रहित के इस का के लिए मुझे जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं. इस समय हमारा देश 2 ट्रिलियन डॉलर के घाटे में है. लेकिन मेरा मानना है कि हम गलतियां करते हैं. डीओजीई भी गलतियां करेगा क्योंकि हम परफेक्ट नहीं है. लेकिन जब हम गलती करते हैं, तो उस गलती को कितनी जल्दी दुरुस्त करते हैं. ये बड़ा सवाल है.

सरकार को टेक सपोर्ट दे रहे हैं मस्क : इस दौरान एलन मस्क ने मजाकिया लहजे में खुद को सरकारी टेक सपोर्ट कहा। उन्होंने बताया कि कई सरकारी सिस्टम बहुत पुराने हैं, जिनमें सुधार किया जा रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य अमेरिका के बढ़ते घाटे को कम करना है। अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए तो देश दिवालिया हो सकता है। एलन मस्क ने कहा कि देश 2 लाख करोड़ डॉलर के घाटे को और सहन नहीं कर सकता।

डीओजीई की गलतियों पर मस्क का जवाब : एलन मस्क ने स्वीकार किया कि सरकारी दक्षता विभाग गलतियां करेगा, लेकिन उन्हें जल्दी सुधार लिया जाएगा। इस दौरान उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गलती से इबोला रोकथाम कार्यक्रम बंद कर दिया गया था, लेकिन तुरंत इसे बहाल कर दिया गया। मस्क ने आगे कहा कि, हमारी कोशिश है कि 2026 तक सरकार का घाटा एक ट्रिलियन डॉलर कम किया जाए। इसके लिए हर दिन 4 अरब डॉलर बचाने होंगे। लेकिन हम इसे कर सकते हैं और करेंगे।

सरकारी कर्मचारियों में गुस्सा, विरोध और इस्तीफे : सरकारी दक्षता विभाग की नीतियों के कारण कई सरकारी कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकारी दक्षता विभाग के 30प्रतिशत टेक्नोलॉजी स्टाफ ने यह कहकर नौकरी छोड़ी कि वे देश को खतरे में डालने वाले फैसलों का समर्थन नहीं कर सकते। एक आंकड़े के मुताबिक, अब तक करीब एक लाख सरकारी कर्मचारी या तो निकाल दिए गए हैं या स्वेच्छा से इस्तीफा दे चुके हैं। सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ने मस्क की नीतियों को अवैध और खतरनाक बताया है और कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ट्रंप ने दिया मस्क को अपना समर्थन इस कैबिनेट बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एलन मस्क को अपना समर्थन दिया। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, अगर कोई मस्क से नाखुश है, तो हम उसे यहां से बाहर फेंक देंगे! डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। कुछ लोग उनसे असहमत हैं, लेकिन ज्यादातर लोग बहुत खुश हैं।

हमास ने गाजा में 4 इजरायली बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को चार इजराइली बंधकों के शव सौंप दिए. यह रिहाई उनके युद्ध विराम के पहले चरण के खत्म होने से कुछ दिन पहले हुई है. इजराइल ने हमास द्वारा बंधकों को सौंपे जाने के दौरान उनके साथ किए गए क्रूर व्यवहार के विरोध में शनिवार से 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई में देरी की. हमास के लड़ाकों ने इस देरी को युद्ध विराम का गंभीर उल्लंघन बताया और कहा कि जब तक फिलिस्तीनियों को मुक्त नहीं कर दिया जाता, तब तक दूसरे चरण की वार्ता संभव नहीं है. इस बीच, काफी संख्या में रिहा किए गए फिलिस्तीनी कैदियों को ले जाने वाले रेड क्रॉस के काफिले को इजराइल की ओफर जेल से निकलते देखा गया. इस हस्तांतरण से युद्ध विराम के पहले चरण के तहत दोनों पक्षों के दायित्व पूरे हो जाएंगे. इजराइली त्साची इदान के परिवार ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया कि वह मर चुका है और उसका शव लौटाए गए लोगों में शामिल है. इदान को किबुत्ज नाहल ओज से ले जाया गया था और उसकी सबसे बड़ी बेटी मयान की हत्या कर दी गई थी, जब लड़ाकों ने दरवाजे से गोली चलाई थी. हमास लड़ाकों ने फेसबुक पर खुद को प्रसारित किया कि वे एक परिवार को उनके घर में बंधक बनाए हुए हैं, जबकि दो छोटे बच्चे उन्हें छोड़ देने की गुहार लगा रहे हैं. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइली-फ्रांसीसी बंधक ओहाद याहलोमी के बारे में एक्स पर पोस्ट किया जिनके शव को भी सौंपने की उम्मीद है. उन्होंने कहा, दर्द और पीड़ा के इन घंटों में राष्ट्र उनके साथ खड़ा है. यह नवीनतम रिहाई शिरी बिबास और उनके बेटों, नौ महीने के केफिर और चार वर्षीय एरियल के शवों को इस महीने की शुरुआत में सौंपे जाने के बाद हुई है. युद्ध विराम का छह सप्ताह का पहला चरण इस सप्ताह समाप्त हो रहा है।

दुबई गई छात्राओं ने नोटबुक के पन्नों में छिपा रखे थे 4 लाख डॉलर

दुबई, एजेंसी। कस्टम विभाग ने दुबई जा रही तीन लड़कियों से 4 लाख डॉलर यानी करीब 3.47 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। इन ग्रेजुएशन छात्रों ने नोटबुक के पन्नों के बीच इतनी बड़ी रकम छिपा रखी थी। सीमा शुल्क अधिकारियों को संदेह है कि यह विदेशी मुद्रा हवाला के जरिए दुबई भेजी जा रही थी। हवाला रैकेट ने विदेशी मुद्रा की तस्करी के लिए 20 वर्षीय छात्रों का इस्तेमाल किया है। इस मामले में पुणे से ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल और मुंबई से एक विदेशी मुद्रा व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है। ट्रैवल एजेंट ने इन छात्रों के लिए दुबई की यात्रा बुक की थी। पुणे कस्टम्स के अनुसार, अधिकारियों को पहले ही सूचना मिल गई थी कि तीन छात्र नोटबुक में छिपाकर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई पहुंचने के बाद तीनों छात्रों को वापस भारत भेज दिया गया। 17 फरवरी को दुबई से पुणे आ रहे इन तीनों छात्रों को पुणे एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने उनकी गहन तलाशी ली। तलाशी में उन्हें 400,100 डॉलर मिले। ये 100 डॉलर के नोट कई नोटबुक के पन्नों के बीच छिपाए गए थे, जो इन छात्रों के बैग में थे। तीनों छात्र स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों द्वारा पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने पुणे की एक ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल के माध्यम से अपनी यात्रा बुक कराई थी।

वेनेजुएला को ट्रंप का बड़ा झटका, तेल निकालने व निर्यात करने से जुड़ा परमिट होगा रद्द

काराकास, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एलान किया ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन कॉरपोरेशन को वेनेजुएला से तेल निकालने और निर्यात करने की अनुमति देने वाला अमेरिकी सरकार का परमिट इस सप्ताह समाप्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिकी देश के लिए वित्तीय जीवनरेखा बन चुका यह परमिट भी समाप्त हो जाएगा।

ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर घोषणा करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार पर पिछले वर्ष जुलाई में हुए राष्ट्रपति चुनाव के लिए लोकतांत्रिक शर्तों को पूरा नहीं करने और निर्वासन के लिए तैयार वेनेजुएला के अप्रवासियों को वापस भेजने के लिए पर्याप्त तेजी से कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया है। ट्रम्प ने लिखा, हम तेल लेनदेन समझौते पर वेनेजुएला के निकोलस मादुरो को चतुर जो बाइडन ने जो रियायतें दी थीं, उन्हें हम वापस ले रहे हैं। ट्रम्प के पोस्ट में विशेष रूप से कैलिफोर्निया स्थित शेवरॉन का उल्लेख नहीं था, न ही परमिट का, जिसे औपचारिक रूप से सामान्य लाइसेंस के रूप में जाना जाता है। यह लाइसेंस कंपनी को आर्थिक प्रतिबंधों से छूट देता है और इसे अमेरिका में वेनेजुएला के तेल का निर्यात और बिक्री करने की अनुमति देता है। लेकिन यह वेनेजुएला से संबंध रखने वाला एकमात्र लाइसेंस है, जिसके जारी होने और नवीनीकरण की जानकारी उन तारीखों से मेल खाती है, जिनका उल्लेख ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किया था। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने 2022 में लाइसेंस को अधिकृत किया था, जब मादुरो ने लोकतांत्रिक चुनाव के लिए वेनेजुएला के राजनीतिक विपक्ष के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की थी। लेकिन जुलाई 2024 में होने वाला चुनाव न तो निष्पक्ष था और न ही स्वतंत्र, और मादुरो को पिछले महीने

तीसरे छह साल के कार्यकाल के लिए शपथ दिलाई गई, जबकि विश्वसनीय सबूत थे कि उनके प्रतिद्वंद्वी को अधिक वोट मिले थे। बाइडन की सरकार ने महीनों तक वेनेजुएला के विपक्ष और अन्य लोगों द्वारा लाइसेंस रद्द करने के आह्वान का विरोध किया था कहा था कि उसका लक्ष्य लोकतंत्र की बहाली का समर्थन करना है। विपक्ष ने अनुमान लगाया है कि मादुरो की सरकार को परमिट के जरिए लगभग 4 बिलियन डॉलर मिले हैं, जिसे शनिवार को नवीनीकृत किया जाना था। समय के साथ, यह लाइसेंस वेनेजुएला के तेल उत्पादन के लगभग एक चौथाई के लिए जिम्मेदार बन गया है। शेवरॉन के प्रवक्ता बिल टुरेन ने एक बयान में कहा, हम आज की घोषणा से अवगत हैं और इसके निहितार्थों पर विचार कर रहे हैं। शेवरॉन वेनेजुएला में अपना व्यवसाय सभी कानूनों और विनियमों के अनुपालन में करता है, जिसमें अमेरिकी सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रतिबंध ढांचे भी शामिल हैं। वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और एक समय में इसने लैटिन अमेरिका की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था को शक्ति देने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। लेकिन भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अंततः अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण उत्पादन में लगातार गिरावट आई। 2013 से अब तक 7.7 मिलियन से ज्यादा वेनेजुएलावासी अपना देश छोड़ चुके हैं, जब तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था चरमरा गई और मादुरो राष्ट्रपति बन गए। ज्यादातर लोग लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में बस गए, लेकिन महामारी के बाद, उन्होंने अपना रुख अमेरिका की ओर किया। बुधवार की घोषणा को वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हानिकारक और समझ से परे बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने मादुरो की सरकार की उम्मीद को खत्म कर दिया।

गाजा प्रशासन को अपने नियंत्रण में नहीं लेगा मिस्र, खारिज किया इजरायल का प्रस्ताव

काहिरा, एजेंसी। मिस्र ने गाजा पट्टी की अस्थायी प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने के किसी भी प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया है। उसने स्पष्ट किया है कि वह इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के स्थायी और व्यापक समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मिस्र की आधिकारिक मिडिल ईस्ट न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता तमीम खलफ ने कहा कि ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जा सकता जो मिस्र और अरब देशों के स्थापित रुख और संघर्ष के मूल कारणों को नजरअंदाज करता हो।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इन प्रस्तावों को अधूरा समाधान बताया, जो संघर्ष को समाप्त करने के बजाय उसे और लंबा खींच सकते हैं। खलफ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलिस्तीनी इलाके एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य की जमीन हैं और इन पर केवल फिलिस्तीन का संप्रभुत्व और प्रशासन होना चाहिए। इजरायली विपक्ष के नेता याइर लापिद ने हाल ही में सुझाव दिया

कि युद्ध के बाद गाजा का प्रशासन कम से कम आठ वर्षों तक मिस्र को दिया जाए। इसके बदले अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिस्र के विदेशी कर्ज को चुकाने में मदद करे। उन्होंने एक सुरक्षा व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा, जिसमें इजरायल, मिस्र, अमेरिका और अरब देश मिलकर गाजा की सुरक्षा व्यवस्था को संभालें। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह व्यवस्था कैसे काम करेगी। मिस्र पहले भी 1948 से 1967 तक गाजा का प्रशासन देख चुका है। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार किया कि उन्होंने इस प्रस्ताव पर मिस्र के अधिकारियों से सीधे बातचीत नहीं की है, लेकिन क्षेत्र के अन्य नेताओं से चर्चा की है। लापिद के प्रस्ताव के अनुसार, जिसे उन्होंने 8 बिंदुओं के प्लान के रूप में पेश किया है, जब तक गाजा में अंतिम समझौता नहीं हो जाता, तब तक मौजूदा युद्ध विराम जारी रहेगा। इस दौरान सभी बंधकों की रिहाई होगी और इजरायली सेना गाजा की बाहरी सीमाओं पर तैनात रहेगी। इस योजना में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के तहत मिस्र को गाजा का प्रशासन सौंपने की बात भी शामिल है जिसमें आंतरिक सुरक्षा और नागरिक मामले शामिल हैं। मिस्र पहले ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव को ठुकरा चुका है, जिसमें अमेरिका के गाजा का नियंत्रण संभालने, वहां के निवासियों को मिस्र और जॉर्डन भेजने और मध्य पूर्व में कथित तौर पर रिवेरा बनाने की योजना थी। मिस्र, जॉर्डन और अन्य अरब देशों ने इस प्रस्ताव की निंदा की है जिसमें फ़िलिस्तीनियों को उनकी पुरानी जमीन से हटाने की बात है।

ट्रंप शासन में अब तक 20 हजार से अधिक अवैध प्रवासी पकड़े गए: अमेरिकी सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यभार संभालने के पहले महीने में 20,000 से अधिक अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया. होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने इसकी जानकारी दी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने उनके शपथग्रहण के तुरंत बाद ही इमिग्रेशन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था. पदभार संभालने के पहले कुछ सप्ताहों के दौरान प्रतिदिन गिरफ्तारियों की संख्या को सार्वजनिक कर दिया गया. रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन के कार्यकाल में यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट की ओर से इस संबंध में की गई कार्रवाई के मुकाबले ट्रंप के शासन में कई गुना अधिक तेजी से कार्रवाई की गई. होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की सचिव क्रिस्टी नोएम ने बुधवार को एक बयान में कहा, लाखों अपराधियों को अवैध रूप से इस देश में आने दिया गया. हम उन्हें घर भेज रहे हैं और उन्हें कभी वापस नहीं आने दिया जाएगा. कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने गिरफ्तारियों की गति पर निराशा व्यक्त की है, जिसके परिणामस्वरूप 22 फरवरी को कार्यवाहक इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट निदेशक कालेब विटेलो को हटा दिया गया. मामले से परिचित कई लोगों के अनुसार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए विटेलो का चयन किया था. इससे पहले कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने पिछले 50 वर्षों में देश में सबसे कम संख्या में अवैध प्रवासियों के प्रवेश का रिकॉर्ड बनाया

है. उन्होंने कहा, हमें सीमा गश्ती दल और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट एजेंटों से भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है. वास्तव में हमने अपने देश में आने वाले अवैध विदेशियों और प्रवासियों की सबसे कम संख्या का रिकॉर्ड बनाया है, जो कि 50 से अधिक वर्षों में हमारे देश में आया है. ट्रंप ने बताया कि कैसे दुनिया भर से लोग अमेरिका में घुस रहे थे और कैसे अमेरिकी सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने उन्हें रोका. उन्होंने याद किया कैसे दुनिया भर से लोग अमेरिका में घुस रहे थे. उनका कहना है कि वे जेलों, मानसिक संस्थानों और पागलखानों से आ रहे थे. इनमें से कई गिरोह के सदस्य और ड्रग्स डीलर भी थे. जो भी अमेरिका में आना चाहता था वो आ सकता था. अवैध अप्रवासी सिर्फ दक्षिण अमेरिका से ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से आए. इसलिए उन्होंने जो किया है वह अद्भुत है. ट्रंप ने आगे कहा कि वह चाहते हैं कि लोग अमेरिका में आएं लेकिन कानूनी तरीके से।

बांग्लादेश में आंदोलनाकारी छात्र आज नई पार्टी बनाएंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सलाहकार और छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने अपना नया राजनीतिक संगठन शुरू करने की चर्चाओं के बीच मोहम्मद यूनुस सरकार से इस्तीफा दे दिया है. इस्लाम ने मंगलवार दोपहर को यूनुस से उनके ऑफिस में मुलाकात की और उन्हें अपना त्यागपत्र सौंप दिया. इस्लाम ने यूनुस को लिखे अपने पत्र में लिखा है, वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्र और उसके लोगों के हित में मुझे देश में छात्र आबादी के साथ खड़ा होना चाहिए. इसलिए मुझे लगता है कि मुझे अपना इस्तीफा दे देना चाहिए. बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले आंदोलनकारी छात्र नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। कल यानी शुक्रवार, 28 फरवरी को इस पार्टी का ऐलान किया जाएगा। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में शामिल छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे नई पार्टी के साथ जुड़ेंगे। ये पार्टी शुक्रवार को एक रैली के साथ अपनी शुरुआत करेगी। पार्टी के गठन के लिए जातीय नागरिक समिति (जातिओ नागोरिक समिति) का गठन किया गया है। समिति की प्रवक्ता समंता शर्मीन ने एएनआई से कहा- जुलाई 2024 के विद्रोह के बाद, बांग्लादेश में नई आशाएं और आकांक्षाएं पैदा हुईं। इन्हीं उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए छात्रों ने एक नया राजनीतिक दल बनाने की पहल की है। नाहिद इस्लाम ने ये फैसला छात्र नेताओं द्वारा एक नया राजनीतिक संगठन शुरू करने की चर्चाओं के बीच लिया है. नाहिद को पिछले साल दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सलाहकार के रूप में मोहम्मद यूनुस सरकार में शामिल किया गया था. बताया जा रहा है कि शेख हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले

छात्र अपनी नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का प्लान बना रहे हैं. बुधवार को छात्र नेता एक कार्यक्रम में अपनी नई पार्टी की शुरुआत कर सकते हैं. इस्लाम करेंगे पार्टी का नेतृत्व! जानकारी के अनुसार, छात्र नेता और अंतरिम सरकार में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले नाहिद इस्लाम संयोजक के रूप में नई पार्टा का नेतृत्व करेंगे. साथ ही उन्होंने पिछले दिनों साफ कर दिया था कि अगर उन्हें चुनाव लड़ने के लिए पार्टी बनानी पड़ी तो वह पार्टी का गठन करेंगे. बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि अंतरिम सरकार द्वारा देश के अंदर कई बड़े सुधारों के लिए दो समयसीमाएं तय की गई हैं. दिसंबर में बड़े सुधारों की स्थिति में जून 2026 के आधार पर आम चुनावों की तैयारियां चल रही हैं. जल्द होंगे बांग्लादेश में चुनाव सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने कॉक्स बाजार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की. नसीर उद्दीन ने कहा कि अंतरिम सरकार ने दिसंबर तक या अगले साल जून तक चुनाव के लिए दो समयसीमा तय की है. रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है, फिलहाल चुनाव आयोग का पहला लक्ष्य एक सटीक मतदाता सूची तैयार करना है. 16 लाख मृत मतदाता हैं. उन्हें सूची से बाहर करने की जरूरत है।

पत्थरबाजी के झूठे आरोप में फंसी फरहाना, 87 दिन बाद जेल से रिहा

संभल।26 नवंबर को संभल हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के आरोप में गिरफ्तार की गई 48 वर्षीय फरहाना को 87 दिनों बाद जेल से रिहा कर दिया गया।जांच में पाया गया कि फरहाना का वजन 120 किलोग्राम है, जिससे वह छत पर चढ़कर पत्थर फेंकने में सक्षम नहीं थी। पुलिस ने फरहाना पर दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक सेवक पर हमले जैसी कई गंभीर धाराएं लगाई थीं। लेकिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर दिखी महिला की बनावट फरहाना से मेल नहीं खाती थी।जांच के दौरान यह भी पता चला कि फरहाना की पड़ोसी जिकरा से पुरानी दुश्मनी थी, जिसने उसे झूठे आरोप में फंसाया। जिकरा ने अपनी बहन को बचाने के लिए फरहाना का नाम लिया था।फरहाना की रिहाई के बाद उसके परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन जेल में बिताए गए समय की यादें उसे अब भी परेशान कर रही हैं। इस मामले में एसआईटी ने निष्पक्ष जांच का दावा किया है और झूठे बयान देने वाली जिकरा के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। यहां बताते चलें कि संभल हिंसा में कुल 26 गिरफ्तारियां हुई थीं, जिनमें से 25 पर आरोप तय हुए, लेकिन फरहाना के खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर उसे रिहा कर दिया गया।

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी : वंदे भारत चलेगी 7 मार्च से

जम्मू। दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है।यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी।

रेलवे ने दी यात्रियों को सलाह- रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

अब यात्रा होगी आसान- वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

संभल में शाही जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई-पुताई

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया है।एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी, सर्वे टीम ने यहां अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने रंगाई-पुताई नहीं करने का फैसला दिया है।दरअसल, संभल मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल हुई थी।इसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था।मस्जिद कमेटी से साफ तौर पर कहा कि वे इस समय केवल सफाई कार्य करवा सकते हैं। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंप कर बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या फिर रंगाई करने की आवश्यकता हो।

दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज को उठाया

नई दिल्ली। कश्मीर और दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके में स्थित फजार रेजीडेंसी और गेस्ट हाउस से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज अहमद खान को गिरफ्तार किया।फजर रेजीडेंसी के मैनेजर मोहम्मद शमी ने बताया कि एक रात पहले कश्मीर और दिल्ली पुलिस आई थी।हमारे एक कमरे में दो मेहमान ठहरे थे, एक का नाम परवेज और दूसरे का नाम फारुक था। पुलिस ने परवेज को होटल के बाहर से उठाया।फजर रेजीडेंसी के मैनेजर ने दावा किया कि ये दोनों कश्मीर से हैं। परवेज ने बताया था कि वह घूमने के लिए दिल्ली आये थे। 12 फरवरी की रात करीब 11 बजे परवेज आया। उसका दोस्त फारुक अभी भी हमारे कमरे में रहता है। हमें नहीं पता कि वह 12वीं से 26वीं तारीख तक कहां गए। हमें नहीं पता कि वह कहां जाता था और क्या करता था। हमारे गेस्ट हाउस में भी कोई उनसे मिलने नहीं आया। अगर कोई आता है तब उसके लिए हमारे पास विजिटर एंट्री होती है। परवेज़ के एक कारोबारी दोस्त मोहम्मद फारुक ने कहा कि मैं परवेज को 5-6 साल से जानता हूँ, मेरा उससे आर्थिक लेन-देन है। हमारा शॉल का कारोबार है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आई तब मुझे और परवेज़ को थाने ले गई, हम दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के बाद कश्मीर पुलिस परवेज को ले गई और मुझे छोड़ दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल था।

गडचिरौली में 18 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरौली। महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गडचिरौली जिले में 18 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वालों में भामरागढ़ स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) की डिवीजनल कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो (56) और सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी (30) शामिल हैं।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्या नीतीश कुमार डरे?

अपने काम गिनाने के साथ बार-बार याद दिला रहे लालू का जंगल राज

पटना (एजेंसी)। इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी बिसात बिछ चुकी है। सत्तारूढ़ गठबंधन को एक बार फिर अपने किए गए के कामों पर ही ज्यादा भरोसा है। लालू यादव के राज को जिस तरह जंगल राज का नाम दिया गया है उसे निशाने पर रखकर पिछले कई चुनाव एनडीए जीत चुका है। एक बार फिर उसी को भुनाने की तैयारी है। अब देखना है कि ये कहां तक सही साबित होती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी हफ्ते भागलपुर में एक सभा में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए हमला किया था। नीतीश कुमार तो हर मंच पर जंगल राज को याद कराते रहते हैं। पीएम मोदी के साथ सभा में उपस्थित नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार 2005 में सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था। जाहिर है कि एनडीए एक बार फिर जंगल राज को फिर से मुद्दा बनाकर जनता के डर को भुनाना चाहती है लेकिन क्या 20 साल बाद भी आम लोग लालू के कार्यकाल की गलतियों को आधार बनाकर वोटिंग करेंगे?

क्या एनडीए सरकार के पास अपनी उपलब्धियां कम हैं जो उसे एक बार फिर नकारात्मक कैंपेन जो 20 साल पहले की बात है उस पर भरोसा करना पड़ रहा है? आखिर 20 सालों से प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार सत्ता में हैं। क्या इतना समय जनता के बीच बताने के लिए काफी नहीं होता है? फिर अब तो बीजेपी भी साथ में हैं। केंद्र सरकार के साथ मिलकर बिहार में डबल इंजन की सरकार चल रही है। राज्य सरकार में दो-डिप्टी सीएम बीजेपी के ही हैं, फिर आखिरकार लालू राज का नाम क्यों लिया जा रहा है? आखिर बीजेपी ने ये देख लिया है कि अब नेगेटिव कैंपेन का असर जनता पर नहीं हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही रहा है। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय एक सूत्रीय विकास की बातें की थी, जिसका असर हुआ और लोगों ने बीजेपी को आम आदमी पार्टी के मुकाबले तरजीह दी और बीजेपी को जीत हासिल हुई। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश के नाम उपलब्धियां नहीं हैं। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था आज भी पहले की तुलना में बेहतर है। यही कारण है कि कभी बिहार से बड़े डॉक्टर्स ने पलायन कर दिया था। आज मेदान्ता और पारस जैसे बड़े हॉस्पिटल ग्रुप बिहार पहुंच रहे हैं। बिहार में विदेशी सैलानियों की बढ़ती संख्या बताती है कि बिहार में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। 2023 की तुलना में 2024 में करीब 2 लाख विदेशी पर्यटक बिहार पहुंचे। बिहार में विदेश निवेश में भी

लगातार बढ रहा है। पावर सप्लाई भी पिछले कुछ सालों में बहुत बेहतर हुई है।

सात महीनों के अंतराल में आए दो केंद्रीय बजटों में बिहार के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की झड़ी लगा दी है, जिसमें राजमार्ग, हवाई अड्डे, बाढ़ नियंत्रण और पर्यटन विकास जैसी योजनाएं शामिल हैं। हालांकि विपक्ष बार-बार नीतीश सरकार पर विशेष राज्य की मांग पूरी न करा पाने के लिए दबाव डालता रहता है।

जेपी नड्डा ओडिशा दौरे पर, एनएचएम कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस दौरान वह पुरी में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक विशेष कार्यक्रम में आज शामिल होंगे। जेपी नड्डा जब भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पुरी में होगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन

भाजपा प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नड्डा पहले कोणार्क रवाना हुए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। कार्यक्रम के अनुसार, वह शुक्रवार को पुरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह 16वें 'कॉमन रिव्यू मिशन' की रिपोर्ट का भी अनावरण करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और बेहतर बनाना है।

एनएसए डोभाल को लेकर खालिस्तानी आंतकी पन्नू के वकीलों के दावे निकले फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकियों में हताशा कितने ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, इसका एक और नमूना हाल में सामने आया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के वकीलों ने फर्जी दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को अमेरिका दौरे के दौरान समन दिया था। लेकिन सच यह हैं कि आंतकी पन्नू और वकीलों को पता नहीं कि प्रधानमंत्री के साथ एनएसए की यात्रा हो, तब उन्हें किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से छूट मिले है।

मोदी सरकार के सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल को प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करते समय समन से छूट मिली है। मतलब साफ है, डोभाल पर कोई समन नहीं थोपा जा सकता जब वे प्रधानमंत्री के साथ हों। सूत्रों ने कहा कि अमेरिका ने यात्रा से पहले ही उनकी इम्यूनिटी की पुष्टि की गई थी। वकीलों के दावे को खालिस्तानी आतंकियों की हताशा भरी हरकत बताया जा रहा है।

13 फरवरी को पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई शिखर बैठक में दोनों पक्षों ने सिख आतंकी ढांचे के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया। यानी, दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। इसके बाद पन्नू के वकीलों का दावा थोड़ा अजीब लगता है। पन्नू के वकीलों की ओर से दावा किया गया, भारत सरकार द्वारा न्यूयॉर्क में सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश के नवीनतम घटनाक्रम में, संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चलता है कि पन्नू ने अपने मुकदमे की एक प्रति भारत की शीर्ष खुफिया एजेंसी के प्रमुख और डोभाल को उनकी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए अमेरिका की यात्रा के दौरान दी थी... यदि सेवा पूरी हो जाती है, तब डोभाल के पास सेवा से 21 दिनों के भीतर सिविल सूट में पन्नू की शिकायत का जवाब देने होगा। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा था, जैसा कि हमने पहले कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब जबकि यह विशेष मामला दर्ज किया गया है, इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलते... डोभाल ने रक्षा उद्योग और नागरिक उच्च तकनीक और दूरसंचार क्षेत्रों में सहयोग के लिए आईसीईटी ढांचे को एक साथ रखने में अपने पूर्व अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

15 मार्च तक बीजेपी को मिल जाएगा जेपी नडडा का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव 12 राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब 6 और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को झटका लगा था, जिससे उसे सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। जेपी नड्डा ने 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। जनवरी 2020 में, उन्हें सर्वसम्मति से बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पदभार ग्रहण किया। लोकसभा चुनाव को देखकर उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। मोदी सरकार में शामिल होने के साथ, पार्टी उनके उत्तराधिकारी के लिए संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। लेकिन यह प्रक्रिया धीमी रही है, क्योंकि नेता इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन पार्टी किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है।

असम में कांग्रेस की बैठक, आगामी चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को अगले साल होने वाले असेंबली चुनावों को लेकर जिन दो राज्यों से उम्मीद हैं, उनमें असम और केरल प्रमुख है। इन राज्यों में सत्ता वापसी की बात हो रही है। असम चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के नए मुख्यालय में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश नेताओं से गुरुवार को बैठक की, जिसमें कई पहलुओं पर चर्चा की गई। असम नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर असम के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र बोरा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, सांसद रकीबुल हुसैन, सीएलपी लीडर देवब्रत सैकिया, प्रदेश के सीनियर लीडर प्रदीप बारदोलोई समेत कई लोग शामिल थे।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुआ। असम ने भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति को हटाने और कांग्रेस के साथ मोहब्बत और प्रगति की राजनीति को गले लगाने का मन बना लिया है।

वही बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार बोरा ने कहा कि असम से जुड़े अहम मुद्दों और रणनीति को लेकर शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की, जहां असम के सीनियर नेता और तमाम पदाधिकारी मौजूद थे। सभी ने एकसुर से संकल्प लिया कि हम एकजुट होकर आने वाले चुनाव में असम से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। बोरा ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं और हमने उनके भ्रष्टाचार से जुड़े तमाम सबूत अपने शीर्ष नेतृत्व के सामने रख दिए हैं।

हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में भारी बर्फबारी, जनजीवन प्रभावित

- सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित
- कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कटा
- गंगोत्री में 4 फीट तक बर्फ, स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली/ शिमला/ देहरादून/ श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर के कई इलाकों में बीते तीन दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे कई सड़कें बंद हो गई हैं और स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा (भरमौर-पांगी) और किन्नौर जिले में भारी बर्फबारी के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही संभव नहीं है, जिससे कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कट गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक ठंड बढ़ने और बर्फबारी जारी रहने की संभावना

जताई है। प्रशासन ने जरूरी सेवाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

उत्तराखंड में भी मौसम का कहर जारी है। खासतौर पर गंगोत्री और यमुनोत्री क्षेत्र में 4 फीट तक बर्फबारी दर्ज की गई है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान माइनस डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। पहाड़ों में रहने वाले लोगों को खाद्य सामग्री और ईंधन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में भी भारी बर्फबारी हो रही है। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बंद हो गया है, जिससे जम्मू से श्रीनगर का संपर्क टूट गया है। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम और बिजली कटौती जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

हालांकि, बर्फबारी के चलते पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। शिमला, मनाली, मसूरी और गुलमर्ग में पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रशासन ने पर्यटकों से सतर्क रहने और मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर यात्रा करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों तक हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी जारी रह सकती है। साथ ही मैदानी इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना भी जताई गई है। प्रशासन ने सभी जरूरी सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा है और बचाव दल तैनात किए गए हैं। जनता से अपील है कि मौसम को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन की सलाह का पालन करें।

मैं हिंदू हूं, इसलिए शिवरात्रि कार्यक्रम में गया: डीके शिवकुमार

- अमित शाह की मौजूदगी से शुरू हुआ था विवाद
- कर्नाटक कांग्रेस में गहराये मतभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ रहे हैं। हाल ही में शिवकुमार के ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में जाने को लेकर कांग्रेस में अंदरूनी बहस छिड़ गई है।

गौरतलब है की 26 फरवरी को कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन की ओर से महाशिवरात्रि समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। शिवकुमार की इस कार्यक्रम में उपस्थिति पर, द्वेष्ट के सचिव पीवी मोहन ने सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शिवकुमार उस व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। उनका इशारा

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदुरु जग्गी वासुदेव की ओर था।

इस आलोचना का जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, मैं एक हिंदू हूं। मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ और हिंदू के रूप में मरूंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करने के लिए इस कार्यक्रम में गए थे, राजनीति करने के लिए नहीं। इस मुद्दे ने कांग्रेस पार्टी के अंदर मौजूद विभाजन को उजागर कर दिया है। कुछ नेता शिवकुमार के इस कदम को निजी आस्था का मामला बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे पार्टी लाइन के खिलाफ मान रहे हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई पहले भी हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों पर दो गुटों में बंटी रही है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान की खबरें आती रही हैं। शिवकुमार के इस बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वे राज्य में हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद जल्द थमने वाला नहीं है। कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद राज्य में सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। आने वाले दिनों में पार्टी आलाकमान इस मुद्दे पर डीके शिवकुमार और अन्य नेताओं को तलब कर सकता है।

भाजपा ने साधा निशाना

शिवकुमार के बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू आस्था का अपमान करती है और उनके ही नेताओं को कटघरे में खड़ा करती है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि कांग्रेस के अंदर हिंदू विरोधी मानसिकता हावी है।

कई कठिनाईयों से जूझने के बाद भारतीय स्किल वर्कर्स को मिलता है अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं।

भारतीय स्किल प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका हमेशा से पसंदीदा देश रहा है। 2023 में एच-1बी वीजा के अकेले 72 प्रतिशत भारतीयों को दिए गए। एच-1बी वीजा मिलन से करियर में ग्रोथ का गोल्डन टिकट तो मिल जाता है, लेकिन इस वीजा को पाना आसान नहीं होता है। भारतीय स्किल वर्कर्स को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक अंग्रेजी दक्षता परीक्षा है। वैसे यूएससीआईएस की तरफ से एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगा जाता है।अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं। सर्वे में 1000 भारतीय टेस्ट देने वाले लोगों ने हिस्सा लिया और उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं।

दरअसल, भले ही यूएससीआईएस एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगे, लेकिन कई अमेरिकी कंपनियां अच्छी अंग्रेजी बोलने और समझने वाले लोगों को ही नौकरी देती हैं। खासकर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स, हेल्थकेयर और कानून जैसे क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी है। सर्वे में बताया गया है कि 62 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को लगता है कि अगर कोई इंसान उनकी परीक्षा ले रहा है, तो उनका एक्सेंट उनके खिलाफ जा सकता है। ये उनकी चिंताओं को उजागर कर रहा है।